सांध्य दैनिक 4PM

जिद...सच की

जो व्यक्ति भी विकास के लिए खड़ा है उसे हर एक रूढ़वादी चीज की आलोचना करनी होगी, उसमें अविश्वास करना होगा तथा उसे चुनौती देनी होगी।
–भगत सिंह

मूल्य ₹ 3/-

www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_SanjayS YouTube @4pm NEWS NETWORK

● वर्षः 11 ● अंकः 93 पृष्ठः 8 ● लखनऊ, बुधवार, 7 मई, 2025

प्लेऑफ की उम्मीदें बरकरार रखने उतरेगी... 7 | जाति गणना से पूरा होगा सत्ता... 3 | सरकारी संपत्तियां बढ़ाने वाली... 2

9 आतंकी कैंपों को किया बर्बाद

ऑपरेशन सिंदूर

हिंद की सेना का पाकिस्तान को जवाब

25 मिनट और पाकिस्तान में 9 आतंकी ठिकाने ढेर

▶ कर्नल सोफिया कुरैशी और विंग कमांडर व्योमिका सिंह ने की ब्रीफिंग- आम नागरिकों और निर्दोष लोगों को निशाना नहीं बनाया गया

▶ पूरे देश में सेना की जय-जयकार सत्ता पक्ष से लेकर विपक्ष तक बोला- हमें अपनी सेना पर गर्व है

900 आतंकियों को बनाया गया निशाना

» इंडियन आर्मी ने दी भारत के एक्शन की पूरी जानकारी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। भारत ने पहलगाम आतंकी हमले का बदला ले लिया है। इंडियन आर्मी, वायु सेना और नौसेना ने मिलकर 6-7 मई की आधी रात को पाकिस्तान और पाकिस्तान अधिकृत जम्मू-कश्मीर में नौ आतंकी ठिकानों को तबाह कर दिया। इन ठिकानों पर लश्कर-ए-तैयबा, जैश-ए-मोहम्मद और हिज्बुल मुजाहिदीन के 900 आतंकियों को निशाना बनाया गया।

भारत ने पाकिस्तान पर हुई इस कार्रवाई को ऑपरेशन सिंदूर नाम दिया है, जिस पर ब्रीफिंग के लिए इंडियन आर्मी ने प्रेंस कांफ्रेंस की। सेना ने बताया कि लक्ष्यों के बारे में आर्मी के पास विश्वस्त जानकारी थी, जिसके आधार पर ऑपरेशन को लॉन्च किया गया और साल 2008 के मुंबई आतंकी हमले की साजिश भी यहीं रची गई थी। भारतीय सेना की कर्नल सोफिया कुरैशी ने कहा कि इस बात का खास ख्याल रखा गया कि कोई आम नागरिक निशाना न बनें, सिर्फ आतंकी संगठनों को निशाना बनाया गया। कर्नल सोफिया कुरैशी और विंग कमांडर व्योमिका सिंह ने ऑपरेशन सिंदूर पर ब्रीफिंग दी। उन्होंने बताया कि 6 और 7 मई की दरमियानी रात को 1.05 बजे से 1.30 बजे तक ऑपरेशन चला। 9 आतंकी कैंप को बर्बाद किया गया। कर्नल सोफिया ने बताया कि विश्वसनीय सूचनाओं के आधार पर इन लक्ष्यों का चयन किया गया।

पाक में तीन दशकों से टेरेरिस्ट इंफ्रास्ट्रक्चर का निर्माण हो रहा है : कर्नल सोफिया

कर्नल सोफिया कुरैशी ने कहा कि पहलगाम के विभत्स हमले के शिकार मासूम नागरिकों और उनके परिवार को न्याय देने के लिए ऑपरेशन सिंदूर लॉन्च किया गया था। इस कार्रवाई में 9 टेरेरिस्ट कैंप्स को निशाना बनाया गया और पूरी तरह से इन्हें बर्बाद कर दिया गया। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान में तीन दशकों से टेरेरिस्ट इंफ्रास्ट्रक्चर का निर्माण हो रहा है। ऑपरेशन में रिक्रूटमेंट सेंटर, ट्रेनिंग एरिया और लॉन्च पैड्स को तबाह किया गया है, जो पाकिस्तान और पीओजेके में फैले हैं। कर्नल सोफिया कुरैशी ने पहले पीओके में तबाह आतंकी संगठनों के बारे में ब्रीफिंग दी। उन्होंने बताया कि हमले में तबाह मुजफ्फराबाद का सवायनाला कैंप पीओजेके के लाइन ऑफ कंट्रोल (एलओसी) से 30 किमी की दूरी पर है। यह लश्कर-ए-तैयबा का ट्रेनिंग सेंटर था, जहां से पिछले साल अक्टूबर में हुए सोनमर्ग और गुलमर्ग हमले और अब 22 अप्रैल के पहलगाम हमले के आतंकियों ने इसी ट्रेनिंग सेंटर से ट्रेनिंग ली थी।

सेना पर हमें गर्व है : पीएम मोदी

ऑपरेशन सिंदूर' के बाद प्रधानमंत्री मोदी ने भारतीय सेना की जांबाजी की तारीफ की। उन्होंने कहा हमे भारत की सेना पर गर्व है। पीएम ने सेना की पूरी कार्रवाई पर नजर रखी हुई थी। सेना की पूरी कार्रवाई के बाद प्रधानमंत्री ने राष्ट्रपति से मुलाकात की और पूरे ऑपरेशन की जानकारी दी। वहीं रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने 'भारत माता की जय' कहा जबकि उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने ऑपरेशन सिंदूर का स्वागत 'जय हिंद' और 'जय हिंद की सेना' के साथ किया। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री और शिवसेना नेता एकनाथ शिंदे ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''जय हिंद! ऑपरेशन सिंदूर!''

पराक्रम की विजय होती है : अखिलेश

सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा कि पराक्रम की विजय होती है। उन्होंने एक्स पर कहा कि पराक्रमो विजयते! !!!!बता दें कि भारत ने पाकिस्तान और पीओके के अंदर आतंकी ठिकानों को नेस्तनाबूद कर दिया। इसमें आतंकी सरगना हाफिज सईद और मसूद अजहर के ठिकाने शामिल हैं।

भारतीय सेना को सलाम : खरगे

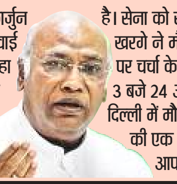

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने सेना की कार्रवाई की तारीफ करते हुए कहा कि हमें अपनी सेना पर पूरा भरोसा है दुश्मनों का माकूल जवाब देता है। सेना को सलाम। उधर खरगे ने मौजूदा सुरक्षा स्थिति पर चर्चा के लिए आज दोपहर 3 बजे 24 अकबर रोड पर दिल्ली में मौजूद वरिष्ठ नेताओं की एक अनौपचारिक आपात बैठक बुलाई है।

मसूद अजहर बचा, उसकी बहन समेत परिवार के 10 सदस्य ढेर

एक बड़े घटनाक्रम में, जैश-ए-मोहम्मद के प्रमुख मसूद अजहर के 10 परिवार के सदस्य, जिनमें उसकी बहन भी शामिल है, बुधवार की सुबह पहलगाम आतंकी हमले के प्रतिशोध में पाकिस्तान और पीओके में भारतीय हवाई हमलों में मारे गए। हमलों में मारे गए परिवार के सदस्यों में संयुक्त राष्ट्र द्वारा नामित आतंकवादी का साला भी शामिल था। भारत ने बुधवार तड़के पाकिस्तान और पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) में विभिन्न आतंकवादियों के कई आतंकी शिविरों पर सफल हमला किया।

भारत के सशस्त्र बलों पर बहुत गर्व है : राहुल

कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने पाकिस्तान और पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में आतंकी ठिकानों पर की गई सैन्य कार्रवाई के बाद बुधवार को कहा कि उन्हें भारत के सशस्त्र बलों पर बहुत गर्व है। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष ने एक्स पर पोस्ट किया, हमें अपने सशस्त्र बलों पर गर्व है। जय हिंद!

कार्रवाई गौरवमय व सराहनीय : मायावती

बसपा सुप्रीमो मायावती ने एक्स पर बयान जारी कर कहा कि पाकिस्तान में 9 आतंकी ठिकानों को ध्वस्त करने की भारतीय सेना की 'आपरेशन सिंदूर' कार्रवाई गौरवमय व सराहनीय। बता दें भारतीय सेना ने पाक के नौ आतंकी ठिकानों को ध्वस्त कर दिया है।

सरकारी संपत्तियां बढ़ाने वाली नहीं बेचने वाली सरकार

» अखिलेश यादव बोले- सरकार बेचे तो खरीद लेंगे जेपीएनआईसी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने कहा कि अगर सरकार जेपीएनआईसी बेचना चाहती है तो हम समाजवादी लोग इसे खरीदने के लिए तैयार हैं। जेपीएनआईसी के शिलान्यास कार्यक्रम में बड़े-बड़े समाजवादी नेता उस समय शामिल हुए थे।

उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार किसानों और मजदूरों का शोषण कर रही है। प्रदेश सपा मुख्यालय अखिलेश ने कहा कि सरकार किसानों की जमीन और मजदूरी का अधिकार छीन रही है। भाजपा सरकार सब कुछ बेचने पर उतारू है। यह सरकारी संपत्तियां बढ़ाने वाली नहीं बेचने वाली सरकार है। जेपीएनआईसी से समाजवादियों का भावनात्मक और वैचारिक लगाव है।अखिलेश ने कहा, मैं देशभर के समाजवादियों से अपील करूंगा कि वे जेपीएनआईसी खरीदने में हमारा सहयोग करें। उन्होंने कहा कि जेपी एनआईसी को बेचने की प्रक्रिया सरकार तय करे। सपा अध्यक्ष ने कहा कि सरकार दावा करती है कि अर्थव्यवस्था दुनिया में तीसरे और चौथे नंबर पर पहुंच रही है, लेकिन मजदूरों की भी सुविधाओं पर सरकार कोई बात नहीं करती है।

मजदूरों के लिए संघर्ष करेगी सपा

उन्होंने कहा कि समाजवादी मजदूर सभा (एसएमएस) मजदूरों की समस्या को पार्टी तक पहुंचाएगी। मजदूरों के लिए संघर्ष करेगी। अखिलेश यादव ने आगरा मुठभेड़ पर सवाल उठाते हुए कहा कि अगर बिना असली नाम जाने एनकाउंटर हो रहा है तो वह फेक नहीं तो क्या है। भाजपा सरकार जाति विशेष को बदनाम करने के लिए एनकाउंटर करने वाले का नाम अमन यादव जानबूझ कर चलवाया। समाजवादी पार्टी की मांग है कि फर्जी नाम चलवाने वाले अधिकारी को निलंबित किया है। कुछ लोग जाति विशेष को बनाम करना चाहते है, यह अपराधिक कृत्य है।

मजदूर सभा का 2027 में सपा की सरकार बनवाने का संकल्प

प्रदेश सपा मुख्यालय पर समाजवादी मजदूर सभा के राष्ट्रीय और प्रदेश पदाधिकारियों व प्रमुख कार्यकर्ताओं की बैठक हुई। सभी ने 2027 के विधानसभा चुनाव में अखिलेश यादव को उत्तर प्रदेश का मुख्यमंत्री बनाने का संकल्प लिया। बुंदेलखंड से आए किसानों ने जमीन अधिग्रहण में गड़बड़ियों को सामने रखा। इस अवसर पर अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा ने समाजवादी सरकार की सभी श्रमिक कल्याण सम्बंधी योजनाएं बंद कर दी है। इस अवसर पर सपा महासचिव शिवपाल सिंह यादव, विधान परिषद में नेता प्रतिपक्ष लाल बिहारी यादव, पूर्व कैबिनेट मंत्री राजेंद्र चौधरी मौजूद रहे।

देश की सुरक्षा को लेकर भाजपा गंभीर नहीं

अखिलेश ने कहा कि पाकिस्तान और आतंकवाद से निपटने में केंद्र सरकार के हर कदम का सपा समर्थन करती है। लेकिन, भाजपा के एक्स हैंडल से युद्ध की बात हो रही है, जोकि बताता है कि भाजपा देश की सुरक्षा को लेकर भी गंभीर नहीं है।

राजा भैया से कार्रवाई वापस लेना था गलती

प्रतापगढ़ के कुंडा में गुलशन यादव पर कार्रवाई के मामले में अखिलेश यादव ने कहा कि बसपा सरकार में उस जिले के नेता पर कार्रवाई की गई थी, जिसे उन्होंने अपनी सरकार में वापस लिया। यह उनकी गलती थी। अखिलेश का इशारा पूर्व कैबिनेट मंत्री रघुराज प्रताप सिंह राजा भैया की तरफ था। मायावती सरकार में उन पर पोटा के तहत कार्रवाई हुई थी।

जिस दिन चाहेंगे, सपा में आ जाएंगे साक्षी महाराज.... *एक सवाल के जवाब में सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा सांसद साक्षी महाराज हम जिस दिन चाहेंगे, सपा में आ जाएंगे।*

मार्केट वैल्यू के हिसाब से किसानों को मिले जमीन का मुआवजा

सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा कि सरकार मजदूरों के अधिकारों को छीन रही है। कोई सुविधा नहीं दे रही है। उन्हें सुरक्षा नहीं दे रही। किसानों का उत्पीड़न चरमसीमा पर है। मजदूरों का उससे अधिक उत्पीड़न हो रहा है। जो उन्हें सम्मान व सुविधाएं मिलनी चाहिए। सरकार नहीं दे रही है। बिना मजदूरों के स्वाभिमान व सम्मान को आगे बढ़ाए अर्थव्यवस्था आगे नहीं बढ़ सकती। उन्होंने कहा कि सरकार को किसानों की जमीन का मुआवजा मार्केट वैल्यू के अनुसार देना चाहिए। दबाव बनाकर किसी पेपर पर सहमति के हस्ताक्षर नहीं कराने चाहिए। एक बार जब हस्ताक्षर हो जाते हैं तो उनके पास कोई अधिकार नहीं बचता है। मार्केट वैल्यू के हिसाब से मुआवजा मिलना चाहिए। सरकार ने ही उन्हें विस्थापित किया और फिर जमीन ली जा रही है। मजदूर भाइयों ने पॉलिटिकल कैलेंडर बनाया है, उसके अनुसार काम करेंगे। अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा को याद रखना चाहिए कि भगवान प्रभु की धरती पर जो भेदभाव किया था उसी वजह से भगवान ने वहां (अयोध्या) उन्हें हरा दिया। प्रभु श्रीराम जी ने भाजपा को अयोध्या की धरती पर हरा दिया था और संदेश दिया था कि सांप्रदायिक राजनीति का अंत होगा। उन्होंने कहा कि अगर आज बुंदेलखंड में मिसाइल बन रही होती तो रशिया से मिसाइल नहीं मंगानी पड़ती। ये लोग कहते थे कि मिसाइल बनाएंगे।

भाजपा के लोग साजिशें कर रहे हैं: विक्रमादित्य

» नेताओं, मंत्रियों और विधायकों को टारगेट करना सही नहीं

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

शिमला। हिमाचल लोक निर्माण मंत्री विक्रमादित्य सिंह ने उपमुख्यमंत्री मुकेश अग्निहोत्री की फेसबुक पोस्ट की पहेली सुलझाते हुए उनकी नाराजगी को भाजपा की ओर घुमा दिया। उन्होंने कहा कि भाजपा के लोग साजिशें कर रहे हैं और उन्हें हरोली के विकास से तकलीफ हो रही है। मुकेश हिमाचल प्रदेश के बड़े नेताओं में से एक हैं।

कहा-अपने साथी के साथ खड़ा होना मेरे डीएनए में है और इसलिए अग्निहोत्री के साथ खड़ा हूं। मीडिया ने जब सवाल किया कि मुकेश साजिशों के दौर की बात कर रहे हैं, ये साजिशें कौन कर रहा है? इसके उत्तर में विक्रमादित्य सिंह ने मुस्कराते हुए कहा कि विपक्ष के लोग हैं, वही लगे रहते हैं। विपक्ष के साथियों को कुछ और सूझ नहीं रहा है तो लगातार कुछ न कुछ चीजें करते रहते हैं। हर तरीके से साजिशें करते रहना, नेताओं, मंत्रियों

और विधायकों को टारगेट करना सही नहीं है। यह एक सच्चाई है कि उपमुख्यमंत्री हरोली से पांच चुनाव लड़े हैं। पांचों के पांचों चुनाव वह जीते। आज प्रदेश का नेतृत्व वह उपमुख्यमंत्री के रूप में कर रहे हैं। भाजपा के नेताओं को उनके हरोली में विकास से तकलीफ नहीं होनी चाहिए। इस तरह की साजिशों से दूर रहना चाहिए, क्योंकि जनता सब चीजें समझती, देखती और जानती है। दरअसल शनिवार को उपमुख्यमंत्री पोस्ट में लिखा था-साजिशों का दौर, झूठ के पांव नहीं होते...। रविवार को विक्रमादित्य सिंह ने भी इसी से जो?ते हुए पोस्ट डाली - जब आपको हराने के लिए लोग कोशिश करने के बजाय साजिश करने लगे तो समझ लीजिए आपकी काबिलियत अव्वल दर्जे की है। आप वीरभद्र सिंह स्कूल ऑफ थॉट के शिष्य हैं, न कभी डरना न किसी को बेवजह डराना। इसके नीचे विक्रमादित्य सिंह ने जय श्रीराम का नारा लिखा। इन दोनों नेताओं का इशारा किस बात की ओर है, इस पर पहेलियां बूझी जा रही थीं। इस पर विक्रमादित्य सिंह ने मीडिया के प्रश्न पर सफाई देते हुए भाजपा को निशाने पर लिया।

सबके समर्थन से छह बार सीएम बने वीरभद्र

एक ओर विक्रमादित्य सिंह ने मुकेश अग्निहोत्री और अपनी पोस्ट पर इस तरह से सफाई दी तो दूसरी ओर कुछ ऐसा कह गए, जिससे फिर सियासी गलियारों में चर्चा हो रही है कि क्या अभी भी कुछ गड़बड़ है। विक्रमादित्य ने कहा कि वीरभद्र सिंह छह बार मुख्यमंत्री रहे तो उनके सब करीबी थे। अगर छह बार मुख्यमंत्री बनना हो तो वह एक धड़े का मुख्यमंत्री नहीं होता। छह बार मुख्यमंत्री बनने के लिए दम भी चाहिए, हौसला भी चाहिए और सबका समर्थन और साथ भी चाहिए। यह एक या दो को श्रेणीबद्ध करना छोटी सोच है। मैं इस चीज में नहीं जाना चाहता।

सीएम नीतीश को हाईजैक कर लिया है: तेजस्वी यादव

» बोले राजद नेता- मुख्यमंत्री की स्थिति से हम दुखी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। राष्ट्रीय जनता दल के नेता और बिहार के पूर्व उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव ने बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पर कटाक्ष करते हुए कहा कि सीएम को हाईजैक कर लिया गया है और नीतीश कुमार की स्थिति से राजद आहत है।

तेजस्वी यादव ने कहा, मुख्यमंत्री (नीतीश कुमार) जिस स्थिति से गुजर रहे हैं, उससे हम दुखी हैं। हम बार-बार मुख्यमंत्री से कहते हैं कि वह अब थक चुके हैं। मुख्यमंत्री यह साबित कर रहे हैं कि बिहार को कोई और चला रहा है, मुख्यमंत्री को हाईजैक कर लिया गया है। इससे पहले 16 अप्रैल को, भारत के चुनाव आयोग (ईसीआई) ने आगामी बिहार विधानसभा चुनावों की तैयारी शुरू कर दी थी, जिसमें 200 से अधिक बूथ-स्तरीय एजेंटों ने दिल्ली के इंडिया इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ डेमोक्रेसी एंड इलेक्शन मैनेजमेंट में राष्ट्रीय स्तर के प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लिया था। सूत्रों के अनुसार, चुनाव आयोग ने इस साल के अंत में होने वाले सुचारू, स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव कराने के लिए प्रयास तेज कर दिए हैं ।गौरतलब है कि इस साल फरवरी में मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार की नियुक्ति के बाद यह पहला विधानसभा चुनाव होगा जिसकी निगरानी वे करेंगे। इस बीच, बिहार के 200 बीएलए के अलावा, आने वाले वर्षों में आईआईआईडीईएम में कुल 1 लाख अधिकारियों को प्रशिक्षित किया जाएगा। सीईसी ने 26 मार्च को प्रशिक्षण का उद्घाटन किया था और प्रशिक्षण के महत्व को रेखांकित किया था। सीईसी कुमार ने कहा, भारत का चुनाव दुनिया का सबसे बड़ा चुनाव है। इस चुनाव को कराने के लिए चुनाव आयोग 10,50,000 बूथ बनाता है।

निर्वान आयोग आयोग ने मायावती से की बात

» मुद्दों की बेहतर समझ के लिए ईसी ने की बैठक
» सतीश चंद्र मिश्रा और श्रीधर रहे मौजूद

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। चुनाव आयोग ने आज बहुजन समाज पार्टी प्रमुख मायावती से बातचीत की है। आयोग ने मुद्दों की बेहतर समझ के लिए बातचीत की है। बैठक में बीएसपी के राष्ट्रीय महासचिव सतीश चंद्र मिश्रा और पार्टी कोषाध्यक्ष श्रीधर भी मौजूद थे। चुनाव आयोग ने मंगलवार को बहुजन समाज पार्टी प्रमुख मायावती से दिल्ली में बातचीत की।

यह बातचीत राजनीतिक दलों सहित विभिन्न हितधारकों के साथ अधिक से अधिक और नियमित जुड़ाव को बढ़ावा देने की पहल के तहत की गई। बैठक के दौरान बीएसपी के राष्ट्रीय महासचिव सतीश चंद्र मिश्रा और पार्टी कोषाध्यक्ष श्रीधर भी मौजूद थे। वहीं मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने चुनाव आयुक्त सुखबीर सिंह संधू और विवेक जोशी के साथ निर्वाचन सदन में बीएसपी नेतृत्व से बातचीत की।

जाति गणना से बढ़ेगा सत्ता पाने मंसूबा!

अखिलेश व तेजस्वी ने अपनी जातियों को कहा एकजुट रहें

» यूपी और बिहार में होगा ज्यादा असर

» राजद व सपा के मुद्दे को मिला बढ़ावा

» सपा प्रमुख का दिख रहा नया अंदाज

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। भारत सरकार द्वारा जाति गणना कराने के फैसले के बाद से सियासी माहौल में नए तरह का परिवर्तन देखने को मिल रहा है। सपा, राजद का मुख्य मुद्दा जातिय जनगणना हर चुनाव में रहता था। उनका साथ इसमें कांग्रेस का भी मिला। पर जिस तरह मोदी सरकार ने विपक्ष के मुद्दे को स्वीकार करके विपक्ष को घेरने व चित करने की कोशिश की। वहीं विपक्ष इसमें अपनी वाहवाही करते हुए एनडीए सरकार को अपने आगे झुकने की बात कर रहा है।

कुल मिला सत्ता पक्ष व विपक्ष अपने-अपने को श्रेय देने की जुगत में लग गए हैं। यूपी बिहार में इसकों लेकर ज्यादा चर्चा हो रही है। यूपी में अखिलेश यादव व बिहार में तेजस्वी यादव इसी के सहारे अपने-अपने राज्यों में सीएम की कुर्सी पर नजर गड़ाए हुए हैं। वहीं उप्र में जातियों के सोशल इंजीनियरिंग से अखिलेश की सत्ता वापसी की जुगत से भाजपा व बसपा का टेंश काफी बढ़ गया है। समाजवादी पार्टी पर सिर्फ़ यादव समाज को बढ़ावा देने का आरोप लगता रहा है, इसीलिए अखिलेश यादव इस बार पर नोनिया, राजभर, निषाद जैसा अति पिछड़ा समाज को अपनी ओर करने की कोशिश में जुट गए हैं। समाजवादी पार्टी अध्यक्ष अखिलेश यादव पिछले दस दिनों में छह बार प्रेस कांफ्रेंस कर चुके हैं। जब भी वह मीडिया से मुख़ातिब होते हैं तो कभी चौरसिया समाज के लोग उनके साथ होते हैं तो कभी राजभर बिरादरी के नेता मंच पर होते हैं। एक बार उनके साथ नोनिया चौहान जाति के नेता नज़र आए। एक दिन अखिलेश अपने साथ लालचंद गौतम को लेकर मीटिंग हॉल में पहुंचे। गौतम को उन्होंने बाबा साहेब आंबेडकर की मूर्ति भेंट की. कुछ दिनों पहले गौतम ने भी अखिलेश यादव को भी एक तस्वीर तोहफ़े में दी थी। इसी फोटो पर जमकर विवाद हुआ था। बीजेपी ने लालचंद गौतम की भेंट की हुई फोटो को लेकर आसमान सर पर उठा लिया था। इसी तस्वीर में आधा चेहरा अखिलेश यादव का और आधा बाबा साहेब अंबेडकर का था। इसी तस्वीर के बहाने बीजेपी ने समाजवादी पार्टी को दलित विरोधी साबित करने की मुहिम शुरू कर दी थी। विवाद बढ़ते ही अखिलेश बैकफ़ुट पर आ गए। उन्होंने कहा लालचंद गौतम से गलती हो गई। बता दें कि लालचंद गौतम जाटव बिरादरी से हैं. बीएसपी चीफ़ मायावती भी इसी समाज से हैं, समाजवादी पार्टी के राज्य सभा सांसद रामजी लाल सुमन के साथ अखिलेश मजबूती से खड़े हैं. क्योंकि सुमन भी जाटव बिरादरी से हैं।

अखिलेश ने बदला राजनैतिक दृष्य

अखिलेश यादव इन दिनों जानबूझकर अपने आसपास यादव नेताओं को साथ नहीं रखते। वे जानते हैं कि इस वोट की पूरी गारंटी उनके पास है, लेकिन इनके साथ नज़र आने पर बाक़ी ओबीसी जातियां छिटक सकती हैं. समाजवादी पार्टी पर सिर्फ़ यादव समाज को बढ़ावा देने का आरोप लगता रहा है। इसीलिए अखिलेश यादव ने इस पार राजनैतिक गियर बदल लिया है। अब उनके एजेंडे पर नोनिया, राजभर, निषाद जैसा अति पिछड़ा समाज है। यूपी की राजनीति में कहा जाता रहा है कि एक तरफ यादव और दूसरी तरह अन्य ओबीसी बिरादरी। अखिलेश यादव की तैयारी इसी नैरेटिव को ध्वस्त करने की है। इसीलिए उन्होंने घोषणा की है कि लखनऊ में गोमती रिवर फ़्रंट पर सुहेलदेव राजभर की मूर्ति लगेगी। जातियों के सोशल इंजीनियरिंग से अखिलेश अब सत्ता में वापसी की जुगत में हैं. इस हिसाब किताब में उन पर मुस्लिम परस्त वाला लेबल लगा तो फिर सारे समीकरण बदल सकते हैं।

दलितों के बीच लोकप्रिय हो रहे अखिलेश यादव!

इतिहास गवाह है कि समाजवादी पार्टी पर कई बार दलित विरोधी होने के आरोप लगे। मायावती के साथ गेस्ट हाउस कांड से लेकर प्रमोशन में आरक्षण के विरोध तक. बीएसपी अध्यक्ष बार बार समाजवादी पार्टी की इस दुखती रग को दबाती रहती है। अखिलेश यादव ने भी अब इसका जवाब तैयार कर लिया है। वह दलित समाज को मैसेज देते रहते हैं कि बीएसपी अब बीजेपी की बी टीम बन गई है। बीजेपी को हराना है तो समाजवादी पार्टी के समर्थन के अलावा कोई विकल्प नहीं है। दलितों में पासी वोट तो समाजवादी पार्टी को मिलने लगा है, पिछले लोकसभा चुनाव में फैजाबाद की जनरल सीट पर अवधेश प्रसाद को अखिलेश ने टिकट दिया था. वह चुनाव जीत गए. अवधेश पासी समाज से हैं. ग़ैर जाटव और ग़ैर पासी दलित वोटरों का झुकाव बीजेपी की तरफ रहा है।

दलित मायावती से हो रहे दूर

दलितों को लेकर अखिलेश यादव अपनी छवि बदलने में लगे है। वह अब अपने को बाबा साहेब आंबेडकर का अनुयायी कहते हैं। समाजवादी पार्टी में उन्होंने अंबेडकर के नाम पर यूथ विंग बनाया और बीएसपी के कई ताकतवर नेताओं को अपनी पार्टी में जगह दी। इंद्रजीत सरोज से लेकर दद्दू प्रसाद तक। ऐसे नेताओं को आगे कर अखिलेश यादव ये माहौल बना रहे हैं कि दलितों की चिंता करने वाली पार्टी बीएसपी नहीं समाजवादी पार्टी है। इसीलिए दलित अब मायावती का साथ छोड़ कर उनकी तरफ जाने लगे हैं. पर इस रास्ते में सबसे बड़ी अड़चन चंद्रशेखर रावण हैं, मायावती की तरह ही वह भी अखिलेश यादव को दलित विरोधी बताने का कोई मौक़ा नहीं छोड़ते हैं।

तेजस्वी यादव ने पीएम मोदी को लिखा पत्र

विपक्ष के नेता तेजस्वी यादव ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को एक विस्तृत पत्र लिखकर आम जनगणना के साथ-साथ देश भर में जाति आधारित जनगणना कराने के केंद्र के फैसले का स्वागत किया है। हालांकि, पत्र में उन्होंने एनडीए के पिछले रुख की तीखी आलोचना की और सरकार से व्यापक सामाजिक न्याय सुधारों के लिए आंकड़ों का इस्तेमाल करने का आग्रह किया। अपने पत्र में यादव ने प्रधानमंत्री को बिहार में महागठबंधन के 17 महीने के कार्यकाल के दौरान एनडीए नेताओं और संस्थानों द्वारा पैदा किए गए विरोध और बाधाओं की याद दिलाई, जब राज्य सरकार ने अपना जाति आधारित सर्वेक्षण कराया था। यादव ने लिखा, सालों से आपकी सरकार और एनडीए जाति आधारित जनगणना की मांग को विभाजनकारी और अनावश्यक बताकर खारिज करते रहे हैं। जब महागठबंधन सरकार ने इसे कराने का फैसला किया, तो केंद्रीय अधिकारियों और आपकी पार्टी के सहयोगियों ने सक्रिय रूप से इसकी आवश्यकता पर सवाल उठाए और बाधाएं पैदा कीं। बिहार के पूर्व उपमुख्यमंत्री और आरजेडी नेता तेजस्वी यादव ने राष्ट्रीय जनगणना में जाति जनगणना को शामिल करने के केंद्र के फैसले पर पीएम नरेंद्र मोदी को एक पत्र लिखा है। उन्होंने कहा कि बिहार जाति सर्वेक्षण से पता चला है कि ओबीसी और ईबीसी राज्य की आबादी का लगभग 63 प्रतिशत हिस्सा हैं - एक ऐसा निष्कर्ष जिसने लंबे समय से चले आ रहे मिथकों को तोड़ दिया और समावेशी शासन की तत्काल आवश्यकता को प्रदर्शित किया। यादव ने कहा कि इसी तरह के पैटर्न राष्ट्रीय स्तर पर भी उभरने की संभावना है, और यह रहस्योद्घाटन कि वंचित समुदाय भारी बहुमत बनाते हैं, जबकि सत्ता के पदों पर उनका प्रतिनिधित्व कम है, इससे लोकतांत्रिक जागृति पैदा होनी चाहिए।

योगी सरकार के खिलाफ लगाया दांव

मायावती के दलित वोट को अपना बनाने के लिए अखिलेश यादव पॉज़िटिव और निगेटिव पॉलिटिक्स कर रहे हैं। निगेटिव का मतलब ये हुआ कि यूपी की बीजेपी सरकार को ठाकुरों की सरकार की तरह ब्रांडिंग करने में जुटे हैं। इसके लिए उन्होंने यूपी पुलिस के थानेदार और दारोग़ा की लिस्ट को अपना हथियार बनाया ह। आए दिन अखिलेश यादव किसी न किसी जिले में तैनात थानेदारों की लिस्ट जारी करते हैं. वह बताते हैं कि कितने थानेदार पीडीए समाज से हैं और कितने क्षत्रिय, आगरा जिले से उन्होंने ये काम शुरू किया था। आज उन्होंने कौशांबी जिले की लिस्ट जारी कर दी। दो साल बाद होने वाले चुनाव तक वे ये माहौल बनाए रखने के मूड में हैं।

अखिलेश ने बदले राजनीति के तौर तरीके

लोकसभा में पीडीए वाला सोशल इंजीनियरिंग हिट रहा। उसके बाद से ही अखिलेश यादव ने राजनीति के तौर तरीके बदल लिए हैं। मुस्लिम यादव वाले एमवाई सामाजिक समीकरण का अब वे जिक्र भी नहीं करते। वे जानते हैं ग़ैर यादव ओबीसी और जाटव दलित के वोट के बिना सत्ता में उनकी वापसी नहीं हो सकती। इसीलिए अब उनका पूरा फोकस इसी दोनों वोट बैंक पर है, अखिलेश यादव को पता है समाजवादी पार्टी का अतीत ही उनकी सबसे बड़ी मुसीबत है, इसीलिए इतिहास की उन गलियों को छोड़ कर अब वे भविष्य के रास्ते तलाशने में जुटे हैं।

कांग्रेस ने बढ़ाया दबाव- जातिगत जनगणना पर जल्द बातचीत करें सरकार

जातिगत जनगणना कराने के ऐलान के बाद कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से जाति सर्वेक्षण के लिए तेलंगाना मॉडल अपनाने, आरक्षण के लिए 50 प्रतिशत की सीमा हटाने और निजी शिक्षण संस्थानों में अनुसूचित जातियों, जनजातियों और अन्य पिछड़ा वर्गों के लिए आरक्षण प्रदान करने वाले अनुच्छेद 15(5) को तुरंत लागू करने का आग्रह किया है। मल्लिकार्जुन खरगे ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को पत्र लिखकर आग्रह किया है कि वह जातिगत जनगणना के विषय पर सभी राजनीतिक दलों से जल्द बातचीत करें और इस मामले में तेलंगाना मॉडल का उपयोग किया जाए। खरगे ने यह भी कहा कि राज्यों द्वारा पारित आरक्षण को तमिलनाडु की तर्ज पर संविधान की नौवीं अनुसूची में डाला जाए, आरक्षण की 50 प्रतिशत की सीमा को

खत्म किया जाए और निजी शिक्षण संस्थानों में आरक्षण की व्यवस्था लागू हो। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने खरगे का पांच मई की तिथि वाला यह पत्र अपने 'एक्स' हैंडल पर साझा किया। रमेश ने कहा, कांग्रेस कार्यसमिति की दो मई को हुई बैठक के बाद कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने सोमवार रात प्रधानमंत्री को पत्र लिखा। देश पहलगाम में हुए बर्बर आतंकी हमले को लेकर आक्र ोश और पीड़ा से गुजर रहा था, और इसी बीच प्रधानमंत्री मोदी ने जातिगत जनगणना पर अचानक और हताशाजनक 'यू-टर्न' लिया।खरगे ने कहा, जाति जनगणना जैसी किसी भी प्रक्रिया को किसी भी रूप में विभाजनकारी नहीं माना जाना चाहिए। सामाजिक और आर्थिक न्याय तथा स्थिति और अवसर की समानता सुनिश्चित करने के लिए इसे उपरोक्त सुझाए गए समग्र तरीके से कराना अत्यंत आवश्यक है।

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma

@Editor_Sanjay

जिद... सच की

सुप्रीम कोर्ट का राह दिखाने वाला कदम

"

जजों की संपत्ति से जुड़े दस्तावेजों को सुप्रीम कोर्ट की आधिकारिक वेबसाइट पर अपलोड कर दिया गया है, जिससे यह सभी दस्तावेज सार्वजनिक रूप से उपलब्ध रहें। सुप्रीम कोर्ट ने इस संबंध में जानकारी देते हुए कहा कि अप्रैल 2025 को भारतीय सुप्रीम कोर्ट ने सुनिश्चित किया था कि सभी जजों की संपत्ति सार्वजनिक की जाएगी।

सुप्रीम कोर्ट का बड़ा कदम उठाया है जजों की नियुक्ति से लेकर संपत्ति तक, सबकुछ हुआ सार्वजनिक कर दिया है। ये एक अच्छा निर्णया। अदालत द्वारा ऐसा करने के बाद कार्यपालिका पर भी दबाव बनेगा कि वह अपनी संपति का विवरण सार्वजनिक करे। इस तरह के फैसलों से भ्रष्टाचार को रोकने में मदद मिलेगी। यह न्यायिक प्रक्रिया में पारदर्शिता लाने के लिए सुप्रीम कोर्ट का एक बड़ा फैसला है। कुछ महीने पहले जस्टिस यशवंत वर्मा पर कैश कांड का आरोप लगा था जिसके बाद जजों की संपत्ति सवालों के कठघरे में आ गई थी। इस पर प्रतिक्रिया देते हुए सर्वोच्च न्यायालय ने सभी जजों की संपत्ति को सार्वजनिक करने का एलान किया था। इसी कड़ी में सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को अहम कदम उठाया। कई जजों की संपत्ति सुप्रीम कोर्ट की आधिकारिक वेबसाइट पर अपलोड कर दी गई है। सर्वोच्च अदालत के जजों ने सोमवार को अपनी संपत्ति का ब्यौरा पेश किया। जजों की संपत्ति से जुड़े दस्तावेजों को सुप्रीम कोर्ट की आधिकारिक वेबसाइट पर अपलोड कर दिया गया है, जिससे यह सभी दस्तावेज सार्वजनिक रूप से उपलब्ध रहें।

सुप्रीम कोर्ट ने इस संबंध में जानकारी देते हुए कहा कि अप्रैल 2025 को भारतीय सुप्रीम कोर्ट ने सुनिश्चित किया था कि सभी जजों की संपत्ति सार्वजनिक की जाएगी। इसे वेबसाइट पर अपलोड कर दिया गया है। अन्य जजों की संपत्ति से जुड़ी जानकारियां भी अपलोड की जा रही हैं। सुप्रीम कोर्ट ने जजों की नियुक्ति प्रक्रिया को भी सार्वजनिक करने का फैसला किया है। हाई कोर्ट और सुप्रीम कोर्ट के जजों की नियुक्ति कैसे होती है, सर्वोच्च न्यायालय ने इसे भी पब्लिक डोमेन में रखने की घोषणा की है। सुप्रीम कोर्ट का कहना है कि हाई कोर्ट कॉलेजियम सिस्टम कैसे काम करता है? जजों की नियुक्ति के संबंध में केंद्र सरकार और राज्य सरकारों क्या इनपुट देती हैं और सुप्रीम कोर्ट का कॉलेजियम सिस्टम कैसे काम करता है? यह सभी चीजें अब आम जनता की जानकारी में रहेंगी।9 नवंबर, 2022 से 5 मई, 2025 की अवधि के दौरान उच्च न्यायालय के न्यायाधीशों के रूप में नियुक्तियों के लिए सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम द्वारा अनुमोदित प्रस्तावों को सार्वजनिक किया जाएगा। इनमें नाम, उच्च न्यायालय, पिछला पद, सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम द्वारा सिफारिश की तारीख, न्याय विभाग द्वारा अधिसूचना की तारीख, नियुक्ति की तारीख, विशेष श्रेणी (एससी/एसटी/ओबीसी/अल्पसंख्यक/महिला) क्या उम्मीदवार किसी मौजूदा या सेवानिवृत्त उच्च न्यायालय/सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीश से संबंधित है? जैसी सभी जानकारियां सुप्रीम कोर्ट की वेबसाइट पर अपलोड की जा चुकी हैं।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

समता व न्याय आधारित विकल्प के समक्ष चुनौतियां

डॉ. रामजीलाल

प्रत्येक देश में ऐसे महापुरुष हुए हैं, जिन्होंने मानवता को नई दिशा देकर सामाजिक, आर्थिक, शैक्षिक, सांस्कृतिक, एवं राजनीतिक विकास में अग्रणी भूमिका निभाई। इन महापुरुषों में डॉ. भीमराव अंबेडकर का नाम भी शामिल है। अधिकांश देशों में समाज के हाशिये पर रहने वाले लोग उनसे प्रेरणा लेते हैं। लगभग 150 देशों में उनकी जयंती मनाई जाती है। हाल ही में अमेरिका स्थित न्यूयॉर्क के मेयर एरिक एडम्स ने घोषणा की है कि हर साल 14 अप्रैल को डॉ. भीमराव अंबेडकर दिवस मनाया जाएगा। विश्व में डॉ. अंबेडकर की जयंती पर अनेक समारोह, सेमिनार, परिसंवाद आदि आयोजित किए जाते हैं, वहीं दूसरी ओर भारतीय समाज में अंबेडकरवाद और उनके योगदान को कम करने के प्रयास जारी हैं।

अंबेडकरवादी विचारों के विरोधियों द्वारा उनकी प्रतिमाओं पर अभद्रता की घटनाएं भी सामने आती हैं। डॉ. भीमराव रामजी आंबेडकर (14 अप्रैल, 1891 - 6 दिसम्बर, 1956) भारतीय संविधान की प्रारूप समिति के अध्यक्ष, प्रसिद्ध वकील, भारत के प्रथम विधि एवं न्याय मंत्री, भाषाविद्, राजनीतिज्ञ, अर्थशास्त्री, जाति-पाति एवं छुआछूत उन्मूलन के समर्थक, वंचित वर्ग के मसीहा व विषमता के विरुद्ध आंदोलन के समर्थक थे। डॉ. अंबेडकर के मुताबिक, महिलाओं के सामाजिक, आर्थिक एवं राजनीतिक सशक्तीकरण के बिना समाज का सुधार एवं विकास नहीं हो सकता। डॉ. भीमराव अंबेडकर द्वारा समय-समय पर समाचार पत्रों, पुस्तकों, भाषणों, संविधान सभा की बहसों आदि में विभिन्न मुद्दों पर व्यक्त किए गए विचारों का व्यवस्थित रूप ही अंबेडकरवाद या अंबेडकर की सोच माना जाता है। अंबेडकरवाद की विचारधारा दुनिया के राजनेताओं से लेकर समाज के हाशिये पर मौजूद लोगों तक सभी का मार्गदर्शन करती है। अंबेडकरवाद विचारों का एक समूह है, जिसमें समानता, स्वतंत्रता, सामाजिक, आर्थिक, राजनीतिक न्याय, मानवीय गरिमा, धर्मनिरपेक्षता, लोकतंत्र, समाजवाद, और उपेक्षित वर्गों- दलितों, आदिवासियों, महिलाओं, किसानों और कृषि श्रमिकों, श्रमिकों का सशक्तीकरण तथा ऐसे समतावादी समाज की स्थापना शामिल है, जहां बुनियादी जरूरतें -भोजन, आश्रय, वस्त्र, शिक्षा, स्वास्थ्य, काम का अधिकार और समान काम के लिए समान वेतन का हक- पूरी हों।

अंबेडकरवादी चिंतन इस बात का समर्थन करता है कि महत्वपूर्ण उद्योगों पर सार्वजनिक नियंत्रण (राष्ट्रीयकरण) होना चाहिए। ऐसे में यह चिंतन इस दौर में प्रचलित उदारीकरण, निजीकरण एवं वैश्वीकरण सहित निगमीकरण के विरुद्ध है। डॉ. अंबेडकर का समाजवादी चिंतकों में महत्वपूर्ण स्थान है। अंबेडकरवाद ऐसे समाज की स्थापना की कल्पना करता है जिसमें प्रत्येक व्यक्ति का मूल्य जीवन के हर क्षेत्र में समान हो, न कि जन्म, जाति, क्षेत्र, धर्म, भाषा व लैंगिक आदि संकीर्णताओं के आधार पर। भारत में कई तरह की विविधताओं के चलते अंबेडकरवाद सामाजिक सद्भाव और एकता बनाए रखने के लिए 'विविधता में एकता के सिद्धांत' की वकालत करता है। अंबेडकरवाद सामाजिक असमानता, अन्याय, अस्पृश्यता, जातिवाद, सामंतवाद, पूंजीवाद, नौकरशाही के जन-विरोधी रवैये, बहुसंख्यक तानाशाही, हिंसक आंदोलनों, धर्म-आधारित या धर्म-प्रधान राज्यों के खिलाफ है। अंबेडकरवाद के अनुसार जातिवाद के कारण उत्पन्न अस्पृश्यता संकुचित, विभाजक व अमानवीय है। जो राष्ट्रीय एकता, एकीकरण के अलावा देश के विकास में अवरोधक है। अंबेडकरवाद के अनुसार अस्पृश्यता के कारण दलित वर्ग को अपमान झेलना पड़ा। सामाजिक क्रांति के बिना शोषण, असमानता, एवं अपमानजनक व्यवहार समाप्त नहीं होगा। वे जाति प्रथा उन्मूलन के पैरोकार थे। अंबेडकरवाद के समक्ष प्रमुख चुनौतियां हैं- भेदभाव और सामाजिक असमानता, राजनीति में नायक पूजा, जातिवाद, अनुसूचित जाति और जनजातियों के विरुद्ध अपराध, हिंसा, अमानवीय घटनाओं, जाति व रंग के आधार पर अत्याचारों में वृद्धि, प्रशासन में पक्षपात और आर्थिक असमानता आदि।

भारत के संविधान के लागू होने के संदर्भ में डॉ. भीमराव अंबेडकर ने समाज में विद्यमान विरोधाभासों पर प्रकाश डालते हुए कहा था कि '26 जनवरी, 1950 को हम विरोधाभासों के जीवन में प्रवेश करने जा रहे हैं। राजनीति में हम एक व्यक्ति , एक वोट और एक वोट, एक मूल्य के सिद्धांत को मान्यता देंगे। लेकिन सामाजिक और आर्थिक जीवन में, हम अपनी सामाजिक और आर्थिक संरचना के कारण, एक व्यक्ति, एक मूल्य के सिद्धांत को नकारते रहेंगे। हम कब तक विरोधाभासों का जीवन जीते रहेंगे व सामाजिक और आर्थिक जीवन में समानता को नकारते रहेंगे?

असंभव भी संभव होता है सचेतना से

प्रदीप मैगजीन

मन और शरीर, दो ऐसे स्तंभ, जिन पर इंसान का वजूद टिका है। एक खिलाड़ी उत्कृष्टता प्राप्त करने के लिए चुने हुए खेल की मांगों के अनुसार अपने शरीर को परिपूर्ण बनाने में पूरा जीवन लगा देता है। मानव मन के असीम विस्तार में, ऐसा कोई लक्ष्य नहीं है जिसे प्राप्त न किया जा सके। कोई व्यक्ति पलक झपकने भर में आल्प्स के ऊपर से उड़ने या हिमालय पर विजय पाने या निराशा की गहराइयों में गिरने की कल्पना कर सकता है। ऐसा कहा जाता है कि अगर शरीर और मन एक सार हो जाएं, तो कोई भी बाधा, चाहे कितनी भी कठिन क्यों न हो, उससे पार पाया जा सकता है। दुनिया एक ऐसे सांचे की तरह है जिसमें मानव शरीर आकार लेता है और नए-नए विचार ढलते रहते हैं। यदि हम मान लें कि खेल जीवन का एक रूपक है तो हम महसूस करेंगे कि अगरचे मन और शरीर विपरीत उद्देश्यों से काम करेंगे, तो सफलता कभी हासिल नहीं हो सकती।

खेल आपके भावनात्मक अनुकूलन की खामियों से निपटने में भी उतना ही कारगर है जितना कि आपके शारीरिक कौशल को परिपूर्ण बनाने में। माइंडफुलनेस (सचेतन) नए युग का मंत्र है, वह जादुई औषधि जो आपको अतीत के तमाम दुखों और कल्पित दुखद भविष्य की चिंताओं से दूर रख सकता है। बुद्ध ने 2,500 साल पहले कहा था 'वर्तमान में जीओ, तमाम चिंताएं तिरोहित हो जाएंगी।' मैं नियमित रूप से एक बौद्ध ध्यान केंद्र जाया करता हूं, हैरानी की बात है कि वहां पर आने वालों में, युवा और बेचैन लोगों की संख्या उन लोगों की तुलना में अधिक होती है, जिनके अंदर उम्र जनित अनुभवों से अवसाद और असहायता बनती है। भविष्य का डर, ध्यान भटकाने वाले अंतहीन कारक और एक ऐसी दुनिया में जीना जिसमें मानवीय संपर्क बहुत कम है लेकिन वे व्यक्तिगत जान-पहचान विहीन सोशल मीडिया मित्र मंडल द्वारा चालित आभासीय दुनिया में विचरते हैं, यह सब उन्हें एक ऐसे रास्ते की तलाश करने के लिए मजबूर कर देता है, जो उन्हें उनके वर्तमान जीवन से नहीं मिलता।

स्थिरता एवं पूर्ण-एकाग्रता बनाने का प्रशिक्षण लेने की चाह में वहां आने वाले ऐसे अनेक युवाओं में एक पेशेवर गोल्फ खिलाड़ी भी था। वह खेल में अपनी कमियों से जूझ रहा था, जिसका संबंध उसके अस्थिर मन और एकाग्रता की कमी से था। उसे मोक्ष की तलाश नहीं थी, बल्कि वह तो अपने मन को नियंत्रित रखने के तरीके खोज रहा था, ताकि गोल्फ कोर्स पर अपनी पूरी क्षमता के अनुसार प्रदर्शन कर सके। कई सालों बाद मैं गेंदबाजों को बेतरह धुनने वाले और भारतीय क्रिकेट सबसे घातक बल्लेबाजों में से एक से मिला, जो अब खेल से सेवानिवृत्त हो चुका है और अपने जैसे अधिकांश लोगों की तरह अपना वक्त गोल्फ खेलने में बिताता है। कई लोग कहते हैं कि वह इतना अच्छा खेलता है कि गोल्फ का पेशेवर खिलाड़ी बन सकता है। मैंने उससे पूछा कि क्या उसने कभी पेशेवर गोल्फर बनने के बारे में सोचा? जवाब था 'नहीं, मैं अपने गोल्फ का लुत्फ उठाना चाहता हूं। अब और दबाव नहीं झेलना चाहूंगा।' टी-20 अंतर्राष्ट्रीय मैच में छह छक्के जड़ने वाले खिलाड़ी हों और दबाव की बात? सफलता की कीमत चुकानी पड़ती है। आकांक्षी खिलाड़ियों को जितनी जरूरत तकनीकी कोचिंग की पड़ती है, उतनी ही आवश्यकता प्रशिक्षण से उन्हें दिमागी रूप से तैयार करने की भी होती है। इसके लिए ज्यादा सही शब्द होगा- भावनात्मक कोचिंग।

हमारी पांच इंद्रियां दुनिया के लिए हमारा प्रवेश द्वार हैं और हर व्यक्ति की अपनी एक अनूठी न्यूरोलॉजी होती है, जिसे मौखिक और गैर-मौखिक भाषा के जरिए व्यक्त किया जाता है। न्यूरो लिंग्विस्टिक प्रोग्राम (एनएलपी) नामक एक विशिष्ट मनोवैज्ञानिक प्रशिक्षण पद्धति, उनकी समस्याओं का हल इन संवेदी धारणाओं को अपने शोध के केंद्र में रखकर करती है। यह एक ऐसा क्षेत्र है, जो शरीर और मांसपेशियों की हरकतों से किसी व्यक्ति में बनने वाले अदृश्य आघात को बूझता है। जानकारी से परिपूर्ण रुखसार सलीम, जो दिल्ली के शिवाजी स्टेडियम में वंचित बच्चों के लिए के. अरुमुगम द्वारा आयोजित हॉकी कोचिंग कार्यक्रम में मदद कर रही हैं। अरुमुगम को भारत की 1975 विश्व कप जीत पर लिखी गई बेहतरीन हॉकी पुस्तक के लिए बेहतर जाना जाता है। रुखसार पहले बिजनेस जगत की पत्रकार थीं, जिन्होंने अपना कार्यक्षेत्र बदला है, मानव व्यवहार पैटर्न को समझने के लिए एनएलपी में मास्टर्स कोर्स किया।

वह कहती हैं कि प्रत्येक व्यक्ति के शरीर में न्यूरो-भाषा विज्ञान की एक अनूठी प्रोग्रामिंग होती है। इस कार्यक्रम के स्थापित तथ्यों में से एक सूक्ति है 'भावनाएं मन (मस्तिष्क) में निवास करती हैं, भावनाएं आपकी मांसपेशियों में मौजूद होती हैं।' उनके अनुसार, पांच इंद्रियों में से तीन -दृश्य, श्रवण और गतिज- किसी भी जानकारी को प्राप्त करने का पुष्ट और प्रमुख माध्यम हैं। प्रत्येक व्यक्ति के पास बाहरी वातावरण से जानकारी को ग्रहण करने की एक जन्मजात या अर्जित प्राथमिकता होती है (या तो संस्कृति से या अभ्यास के कारण)। 'इसलिए एक अच्छा कोच सबसे पहले इस चीज की शिनाख्त करता है कि जानकारी प्राप्त कैसे हुई और वह खिलाड़ी को उस जानकारी को संसाधन के रूप में उपयोग करने और दबाव में अपने प्रदर्शन को अनुकूलित करने में, अनुपयोगी जानकारी को दरकिनार करने में मदद करता है। उदाहरण के लिए, विराट के मामले में, उनके शरीर की हरकतों में सहजता और बल्लेबाजी न करते वक्त भी मैदान में चारों ओर नज़र बनाए रखने की क्षमता, उनके अत्यधिक दृश्यशील एवं गतिज होने की ठोस संकेतक हैं।'

राफ्टिंग के लिए भारत की ये 5 बेस्ट जगहें

लोग गर्मी से राहत पाने के लिए ऐसी जगहों पर जाने का प्लान बनाता है, जहां ठंडक होती है। इसी मौसम में लोगों को राफ्टिंग करने का भी खुमार चढ़ता है। लेकिन अक्सर ये समझ नहीं आता कि राफ्टिंग करने कहां जाना है। यदि आप भी राफ्टिंग पर जाना चाहते हैं, लेकिन ये समझ नहीं आ रहा कि कहां जाएं तो राफ्टिंग के लिए इन पांच सबसे खास जगहों पर जाएं जहां जाने के लिए आपको ज्यादा पैसे खर्च करने की जरूरत नहीं पड़ेगी। रिवर राफ्टिंग एक तरह का स्पोर्ट है, जो न केवल युवाओं को फिट बनाता है, बल्कि यह एक तरह की मजेदार एक्टिविटी है , जिसमें लोग अपने परिवार के साथ शामिल हो सकते हैं। रिवर राफ्टिंग एक अतिलुभावन और रोमांचकारी मनोरंजन से परिपूर्ण गतिविधि हैं। रिवर राफ्टिंग अन्य जोखिम और रोमांचकारी खेल जैसे पैरासेलिंग, पैराग्लाइडिंग की तरह ही एक रोमांचक खेल है। परंतु खेल के रूप में और एक्सपर्ट के दिशा निर्देशन में इसे अत्यंत रुचिकर तथा अद्भुत बनाया जा सकता हैं।

ऋषिकेश

यदि आप राफ्टिंग करने का विचार कर रहे हैं तो ऋषिकेश, उत्तराखंड से बेहतर जगह कोई अन्य हो नहीं सकती। दरअसल, एक तो ऋषिकेश दिल्ली से बेहद पास है और यहां जाने के लिए आपको लखनऊ और दिल्ली से सीधी ट्रेन और बस भी मिल जाती है। यहां राफ्टिंग के अलावा आप शिवपुरी और रिवरसाइड कैम्पिंग का भी मजा ले सकते हैं। यहां राफ्टिंग का दाम काफी कम रहता है। हर साल हजारों लोग रिवर राफ्टिंग का शानदार अनुभव लेने यहां पहुंचते हैं। ऋषिकेश न केवल भारतीय पर्यटक को लुभाता है, बल्कि विदेशी पर्यटकों के बीच भी यह जगह एक धार्मिक और एडवेंचर डेस्टीनेशन के रूप में प्रसिद्ध है।

लद्दाख, जम्मू और कश्मीर

कश्मीर अपनी नदियों और जल निकायों के लिए जाना जाता है। दर्शनीय स्थलों की यात्रा, तैराकी और झीलों में मछली पकड़ने के अलावा, रिवर राफ्टिंग सबसे साहसिक गतिविधियों में से एक है जिसका आप कश्मीर में आनंद ले सकते हैं। यदि आपके पास छुट्टियां बिताने के लिए काफी समय है तो लद्दाख निकल पड़िए। लद्दाख में बहने वाली जंस्कार नदी पर राफ्टिंग कराई जाती है। यहां राफ्टिंग के दौरान आपको एक से बढ़कर एक खूबसूरत नजारे देखने को मिलेंगे। ऐसे में आप राफ्टिंग के साथ-साथ खूबसूरत नजारों का लुत्फ उठा सकते हैं। इसके अलावा सोनमर्ग में आने या जाने पर, रिवर राफ्टिंग एक ऐसी गतिविधि है जो आपको किसी और की तरह रोमांच दे सकती है। यह राफ्टिंग अभ्यास आपको रोमांच का अनुभव कराएगा और साथ ही सिंध नदी के आसपास के स्थानीय परिदृश्य और पहाड़ियों की सैर भी कराएगा।

कोलाड

यदि आप महाराष्ट्र में रहते हैं तो कोलाड जाकर राफ्टिंग का मजा ले सकते हैं। मुंबई और पुणे के पास बसा शहर कोलाड महाराष्ट्र की टॉप टूरिस्ट डेस्टिनेशन में से एक है। कोलाड कुंडलिका नदी में राफ्टिंग कराई जाती है।

स्पीति घाटी

हिमाचल के आस-पास रहते हैं तो आपके लिए इस खूबसूरत जगह पर जाकर राफ्टिंग करना काफी सुविधाजनक हो सकता है। लाहौल और स्पीति घाटी में रिवर राफ्टिंग के लिए कोकसर से तांडी तक का 90 किलोमीटर का क्षेत्र, जहां चंद्रा और भागा नदियां मिलकर चंद्रभागा (चिनाब) बनाती हैं। इसमें कई जगहों पर राफ्टिंग की जाती है। ऊंचे पहाड़ों और नाटकीय परिदृश्यों से घिरी स्पीति नदी, रोमांच के शौकीनों के लिए एकदम सही जगह है। राफ्टिंग रूट आमतौर पर रंगरिक से सिचलिंग तक चलते हैं, जो रोमांचकारी रैपिड्स और बंजर लेकिन आश्चर्यजनक इलाके के सुंदर दृश्य पेश करते हैं। स्पीति में राफ्टिंग गर्मियों के महीनों के दौरान सबसे अच्छी होती है जब नदी का प्रवाह साहसिक खेलों के लिए आदर्श होता है।

हंसना मना है

पापा- बेटी, बड़ी हो के क्या करोगी? बेटी- शादी... पापा- गलत बात है... अभी से किसी का बुरा नहीं सोचते...!

प्रेमिका ने प्रेमी से कहा- अपनी शादी के लिए तुम मां से मिलकर देखो, प्रेमी बोला- नहीं डियर! अब तुम्हारे सिवाए कोई दूसरी मेरे मन में नहीं बस सकती।

साली: अच्छा जीजू एक बात बताओ... ससुराल में दामाद का इतना सम्मान क्यों होता है? जीजा: क्योंकि वे लोग जानते हैं कि यही वो महान आदमी हैं जिसने हमारे घर का तूफान संभाल रखा हैं...

एक खूबसूरत लड़की बस स्टैंड पर खड़ी थी... एक नौजवान बोला- चांद तो रात में निकलता हैं, आज दिन में कैसे निकल आया? लड़की बोली- अरे उल्लू तो रात को बोलता था, आज दिन में कैसे बोल रहा है...

एक महिला ने नाटक में झगड़ालू पत्नी का सफल अभिनव किया... लोगों ने उसे बहुत पसंद किया, नाटक के बाद एक पत्रकार ने उससे पूछा- पहली बार में आपके सफलतम अभिनय का रहस्य क्या हैं? महिला बोली- इसमें कोई खास बात नहीं... मंच पर अपने कलाकार साथी के साथ बोलते समय मैंने मन में यही सोच लिया था वास्तव में अपने पति से बात कर रही हूं...

कहानी | नेकी की राह

एक बार की बात है एक गांव में छोटी सी लड़की रहती थी। एक बार शीत ऋतु अपने चरम पर थी। चारों ओर पहाड़ों और जंगलों से घिरा हुआ एक सुंदर सा गांव था। छोटी लड़की ने अपनी सहेली के घर जाने की इच्छा हुई । फिर वह अपने घर से हाथ में सिर्फ एक रोटी का टुकड़ा लेकर चली, फिर उसने सड़क के किनारे एक बूढ़े को देखा। बूढ़ा बोला- मैं भूखा हूं ,उसने कहा मुझे कुछ खाने को दो! लड़की ने उसे रोटी का टुकड़ा दे दिया। वृद्ध ने अपने दोनों हाथ उठाकर उस छोटी सी लड़की को आशीर्वाद दिया फिर थोड़ा आगे जाने पर उसे एक छोटा बच्चा मिला, बच्चे ने लड़की से प्रार्थना कि मुझे ओढ़ने के लिए कुछ दे दो। लड़की ने थोड़ी देर सोचने के बाद झटपट अपना साल निकालकर उसे दे दिया। फिर लड़की थोड़ा आगे गई और देखा एक बच्चा ठंड से कांप रहा था ,लड़की को उस पर दया आ गई। उसने अपनी मफलर से बच्चे को ढक दिया। फिर थोड़ा आगे चलने के बाद अब वह खुद सर्दी से कांपने लगी , तो वह एक पेड़ के नीचे दुबक कर बैठ गई। अगले ही पल उसने तारों को आसमान से नीचे गिरते देखा। उसने जब गौर से देखा तो वे सोने के सिक्के थे, उसका शरीर सुंदर कपड़े से ढक गया, उसके पैरों में जूते थे ,गले में मफलर थी। उसके सामने एक सुंदर सी टोकरी थी, जो फलों और मिठाइयों से भरी हुई थी। भगवान ने उसकी दयालुता के लिए उसे आशीर्वाद और इनाम दिया था।

कहानी से सीख- हमें इस कहानी से सीख मिलती है कि हमें दूसरों की भलाई करनी चाहिए जिसका फल हमें ऊपर वाला देता है।

7 अंतर खोजें

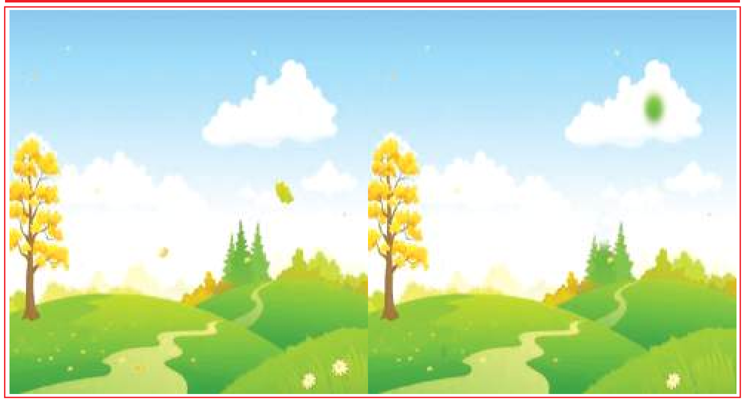

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष स्वास्थ्य कमजोर रहेगा। वाणी में हल्के शब्दों के प्रयोग से बचें। वाहन, मशीनरी व अग्नि आदि के प्रयोग में विशेषकर स्त्रियां सावधानी रखें। कार्यों की गति धीमी रहेगी।

वृषभ आशंका-कुशंका के चलते कार्य की गति धीमी रह सकती है। घर-परिवार के किसी सदस्य के स्वास्थ्य की चिंता रहेगी। वैवाहिक प्रस्ताव प्राप्त हो सकता है।

मिथुन जीवनसाथी से कहासुनी हो सकती है। संपत्ति के बड़े सौदे बड़ा लाभ दे सकते हैं। बेरोजगारी दूर होगी। करियर बनाने के अवसर प्राप्त होंगे। नौकरी में प्रशंसा प्राप्त होगी।

कर्क बौद्धिक कार्य सफल रहेंगे। लाभ के असवर हाथ आएंगे। यात्रा में सावधानी रखें। किसी पारिवारिक आनंदोत्सव में हिस्सा लेने का मौका मिलेगा। शत्रु पस्त होंगे।

सिंह कोई बुरी खबर प्राप्त हो सकती है। पारिवारिक चिंताएं रहेंगी। मेहनत अधिक तथा लाभ कम होगा। दूसरों से अपेक्षा न करें। व्यवसाय ठीक चलेगा। प्रमाद न करें।

कन्या मित्रों की सहायता कर पाएंगे। मेहनत का फल मिलेगा। मान-सम्मान मिलेगा। कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। नौकरी में उच्चाधिकारी की प्रसन्नता रहेगी।

तुला दूर से अच्छी खबर प्राप्त हो सकती है। आत्मविश्वास बढ़ेगा। कोई बड़ा काम करने की योजना बनेगी। पराक्रम व प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। घर में अतिथियों पर व्यय होगा।

वृश्चिक प्रेम-प्रसंग में जल्दबाजी न करें। शारीरिक कष्ट से कार्य में रुकावट होगी। अप्रत्याशित लाभ हो सकता है। यात्रा मनोरंजक रहेगी। नौकरी में अनुकूलता रहेगी।

धनु अप्रत्याशित खर्च सामने आएंगे। यात्रा में जल्दबाजी न करें। चिंता तथा तनाव बने रहेंगे। स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा। स्वास्थ्य पर बड़ा खर्च हो सकता है।

मकर विवेक का प्रयोग लाभ में वृद्धि करेगा। कोई बड़ी बाधा से सामना हो सकता है। राजभय रहेगा। जल्दबाजी व विवाद करने से बचें। रुका हुआ धन मिल सकता है।

कुम्भ समाजसेवा में रुझान रहेगा। प्रतिष्ठा बढ़ेगी। नई आर्थिक नीति बनेगी। कार्यप्रणाली में सुधार होगा। पुरानी व्याधि से परेशानी हो सकती है। नौकरी में प्रभाव बढ़ेगा।

मीन राजकीय अवरोध दूर होंगे। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। धर्म-कर्म में मन लगेगा। व्यापार मनोनुकूल चलेगा। नौकरी में सहकर्मी साथ देंगे। निवेश शुभ रहेगा।

बॉलीवुड | मन की बात

मुझे भाषा और धर्म के नाम पर नफरत करने वालों से चिढ़ है : सोनू निगम

सोनू निगम इन दिनों मुश्किलों में घिरे हुए हैं। कन्नड़ भाषा और संस्कृति का अपमान करने के आरोप लगाते हुए उनके खिलाफ बेंगलुरु में एफआईआर दर्ज कराई गई है। सोनू पर आरोप है कि अपने हालिया बेंगलुरु कॉन्सर्ट के दौरान एक युवक द्वारा कन्नड़ गाना गाने की मांग करने पर सिंगर ने इसे धमकी बताया था और इसे पहलगाम हमले से जोड़ दिया था। इसी मामले पर सोनू निगम पर एफआईआर दर्ज हुई है। अब इस एफआईआर पर सोनू निगम की ओर से आधिकारिक बयान जारी किया गया है। जिसमें उन्होंने खुद के हर भाषा और संस्कृति का सम्मान करने की बात कही है। सोनू निगम की ओर से जारी बयान में कहा गया है, मैंने भाषा, संस्कृति, संगीत, संगीतकारों, राज्य और लोगों को अभूतपूर्व प्यार दिया है। वास्तव में मैंने अपने कन्नड़ गीतों को हिंदी सहित अन्य भाषाओं के गीतों से कहीं अधिक सम्मान दिया है। मेरे पास एक घंटे से अधिक के कन्नड़ गाने हैं, जो मैंने कर्नाटक में होने वाले हर कॉन्सर्ट के लिए भी तैयार किए थे। हालांकि, मैं कोई जवान लड़का नहीं हूं जो किसी से अपमान सहूं। मैं 51 साल का हूं, अपने जीवन के दूसरे भाग में हूं और मुझे इस बात पर बुरा मानने का हक है कि मेरे बेटे जितनी छोटी उम्र का इंसान, मुझे हजारों लोगों के सामने भाषा के नाम पर सीधे धमका रहा है। वह भी कन्नड़ में, जो मेरे काम के मामले में मेरी दूसरी भाषा है। वो भी कॉन्सर्ट में मेरे पहले गाने के ही बाद। अपने बयान में आगे उस घटना का जिक्र करते हुए सोनू निगम ने कहा, उस व्यक्ति की इस हरकत पर उनके अपने लोग शर्मिंदा थे और उन्हें चुप रहने के लिए कह रहे थे। मैंने उनसे बहुत विनम्रता और प्यार से कहा कि शो अभी शुरू ही हुआ है, यह मेरा पहला गाना है और मैं उन्हें निराश नहीं करूंगा। लेकिन वो हंगामा मचाने और मुझे बेतहाशा धमकी देने पर आमादा थे। आप मुझे बताओ कि इसमें कौन दोषी है?

'केसरी वीर' की टली रिलीज डेट, अब 23 मई को सिनेमाघरों में देगी दस्तक

बॉलीवुड | मसाला

पिछले दिनों सुनील शेट्टी, सूरज पंचोली और विवेक ओबेरॉय अपनी फिल्म 'केसरी वीर' का प्रमोशन करते नजर आए। यह फिल्म पहले 16 मई 2025 को रिलीज होने वाली थी। अचानक इस फिल्म की रिलीज डेट बदल दी गई है। जानिए, फिल्म 'केसरी वीर' की नई रिलीज डेट क्या है?

'केसरी वीर' के मेकर्स ने एक इंस्टाग्राम पोस्ट के जरिए जानकारी दी है कि उनकी फिल्म अब 23 मई 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। देश और दुनिया में इस दिन फिल्म 'केसरी वीर' को रिलीज किया जाएगा। फिल्म 'केसरी वीर' में सुनील शेट्टी, सूरज पंचोली ने योद्धाओं के रोल किए हैं वहीं विवेक ओबेरॉय खलनायक के रोल में नजर आ रहे हैं। फिल्म 'केसरी वीर' की कहानी की बात की जाए तो इसमें सोमनाथ मंदिर पर हुए हमले की एक ऐतिहासिक कहानी दिखाई जाएगी। कैसे कुछ योद्धाओं ने इस मंदिर की रक्षा की थी।

इस फिल्म में एक्ट्रेस अकांक्षा शर्मा भी नजर आएंगी। फिल्म 'केसरी वीर' को प्रिंस धीमान निर्देशित कर रहे हैं।

फिल्म 'केसरी वीर' के टीजर-ट्रेलर की सोशल मीडिया पर काफी चर्चा भी हुई है। इस फिल्म में सूरज पंचोली और सुनील शेट्टी का लुक भी काफी हटकर है। एक्शन सींस भी बड़ी संख्या में फिल्म के ट्रेलर में दिखाए गए है। हीरो ही नहीं, हीरोइन भी एक्शन करती दिख रही हैं।

सिद्धार्थ मल्होत्रा संग जोड़ी जमाएंगी श्रीलीला

साउथ में धमाल मचाने के बाद श्रीलीला अब हिंदी फिल्मों में अपना जलवा बिखेरने की पूरी तैयारी में हैं। कार्तिक आर्यन के साथ उनकी फिल्म की चर्चा इन दिनों खूब हो रही है। इस बीच उनकी एक और हिंदी फिल्म को लेकर बड़ी जानकारी सामने आई है। बताया जा रहा है कि राज शांडिल्य निर्देशित फिल्म में वह नजर आ सकती हैं। इससे पहले राज ड्रीम गर्ल और ड्रीम गर्ल-2 जैसी फिल्में बना चुके हैं। हालांकि, अभी इस प्रोजेक्ट की आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है, लेकिन इंडस्ट्री और फैंस में इस खबर ने उत्साह की लहर दौड़ा दी है।

श्रीलीला और सिद्धार्थ एक साथ पर्दे पर नजर आ सकते हैं। श्रीलीला ने साउथ सिनेमा में अपनी शानदार एक्टिंग और खूबसूरती से लाखों दिल जीते हैं। अब अगर यह जोड़ी सिद्धार्थ के साथ बनती है तो यह उनके करियर का एक अहम पड़ाव साबित हो सकता है।

दोनों की ऑन-स्क्रीन केमिस्ट्री को लेकर फैंस पहले से ही उत्साहित हैं। यह फिल्म एक मास एंटरटेनर होने की उम्मीद है, जो दर्शकों को हंसी, ड्रॉमा और मनोरंजन का पूरा डोज देने की कोशिश करेगी। हाल ही में श्रीलीला को प्रोड्यूसर महावीर जैन के साथ देखा गया था, जिसके बाद सोशल मीडिया पर एक नए प्रोजेक्ट की चर्चा शुरू हो गई थी। महावीर जैन ने अपने इंस्टाग्राम पर श्रीलीला के साथ एक तस्वीर शेयर करते हुए लिखा था, आनंद एल राय सर की जादुई कहानी में श्रीलीला की खूबसूरती और टैलेंट देखने की इच्छा है। इस पोस्ट ने फैन्स की उत्सुकता और बढ़ा दी थी।

श्रीलीला हिंदी सिनेमा में कार्तिक आर्यन अभिनीत फिल्म से कदम रखने वाली हैं। फिल्म का निर्देशन अनुराग बसु ने किया है। इसके अलावा वह मास जतरा नाम की फिल्म में भी नजर आने वाली हैं। वहीं, उनके पास पराशक्ति और लेनिन नाम की भी फिल्म है। वहीं, सिद्धार्थ की बात करें तो उनके पास कई दिलचस्प प्रोजेक्ट हैं। वह परम सुंदरी नाम की फिल्म में काम कर रहे हैं। इस फिल्म में उनके साथ जान्हवी कपूर हैं।

अजब-गजब | इस देश के ज्यादातर लोग हेलमेट के बारे में नहीं जानते

वो देश जहां कोई नहीं मानता ट्रैफिक नियम

भारत में आए दिन ट्रैफिक पुलिस अवेयरनेस प्रोग्राम्स चलाती है। इसका मकसद है लोगों को रोड सेफ्टी के प्रति जागरूक करना। लोग जितना ज्यादा अवेयर होंगे, उतनी कम दुर्घटनाएं होंगी। भारत में हर चौक-चौराहों पर अब कैमरा लगाए जा रहे हैं। इनकी मदद से उन लोगों को स्पॉट किया जाता है, जो नियम तोड़ते हैं और फिर गाड़ी के नंबर के आधार पर उनका चालान उन्हें भेज दिया जाता है। चालान के ही डर से सही, लोग नियमों को मानते हैं।

लेकिन क्या आप जानते हैं कि दुनिया में एक ऐसा देश है, जहां ट्रैफिक नियम ही नहीं है। जी हां, हम बात कर रहे अफगानिस्तान की। कागजों पर भले ही ट्रैफिक पुलिस नाम की चीज होती होगी लेकिन रियल लाइफ में यहां की सड़कों को देखकर अंदाजा लगाया जा सकता है कि यहां लोगो को रोड पर चलने का तरीका नहीं पता है। कोई भी कहीं भी गाड़ी रोक देता है। इसका नतीजा होता है कि यहां सड़कों पर अक्सर ही गाड़ियों में टक्कर हो जाती है। लेकिन सबसे आश्चर्य की बात ये है कि टक्कर के बाद भी कोई ड्राइवर बुरा नहीं मानता। उनके लिए ये कॉमन बात है।

सोशल मीडिया पर एक ट्रेवल ब्लॉगर ने अफगानिस्तान के सड़कों का हाल दिखाया। वहां की पतली सड़कों पर चलने वाली बसों को देखकर आपकी हैरानी का ठिकाना नहीं रहेगा। यहां की सड़कों पर आपको ऐसी कोई बस नजर नहीं आएगी, जिसका एक्सीडेंट ना हुआ हो। किसी का कांच टूटा होता है तो किसी का पिछला हिस्सा पिचका दिखता है। यहां अक्सर एक बस दूसरे को पीछे से टक्कर मार देती है। इसकी वजह है सड़कों पर गाड़ियों का अचानक से ब्रेक मार देना। बस ड्राइवर एक्सीडेंट के बाद बसों की मरम्मत भी नहीं करवाते। जब तक बस का कबाड़ा ना निकल जाए वो उसे सड़कों पर दौड़ाते रहते हैं। जिस तरह से भारत में ट्रैफिक पुलिस सड़कों की व्यवस्था स्मूथ रहने के लिए चौबीस घंटे एक्टिव रहती है, बांग्लादेश में ऐसा नहीं होता है। यहां पुलिस हाथ में लकड़ी का एक डंडा लिए घूमती है और उसे ही बसों पर पीट-पीटकर ट्रैफिक व्यवस्था को कंट्रोल करने की कोशिश करती है। यहां अक्सर ही एक्सीडेंट होते रहते हैं। कभी दो बस टकरा जाते हैं तो कभी दो गाड़ियां। इसके बाद भी ट्रैफिक सुधारने का कोई प्रयास नहीं किया जाता है।

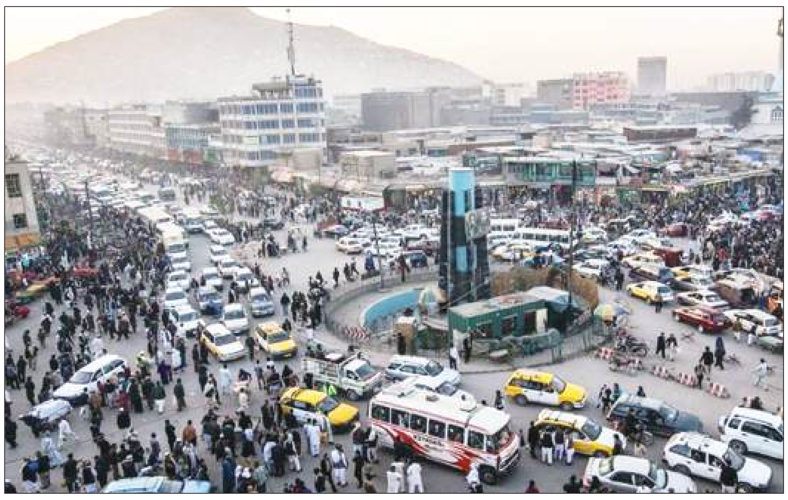

यहां रुपए नहीं, जमा होती है राम नाम की संपत्ति

अब तक 55 करोड़ बार लिखा गया भगवान का नाम

दुनिया में आपने कैश, क्रिप्टो, सोना-चांदी वाला बैंक तो खूब देखा होगा, लेकिन क्या कभी ऐसा बैंक सुना है जहां संपत्ति के नाम पर सिर्फ श्री सीताराम लिखा जाता है? छतरपुर जिले के प्रताप सागर तालाब के पास एक अनोखा बैंक चल रहा है श्री सीताराम बैंक, जो भक्ति और श्रद्धा की जमा-पूंजी का खाता रखता है। कोरोना काल में जब दवा और दौलत दोनों ने जवाब दे दिया था, तब इस बैंक की नींव रखी गई थी। इसका उद्देश्य एक ही था ईश्वर के नाम से बड़ा कोई धन नहीं! इस खास पहल की शुरुआत बागेश्वर धाम के पंडित धीरेन्द्र शास्त्री और अन्य संतों ने की थी। इस बैंक में 250 से अधिक भक्तों ने खाता खुलवाया है। इन खातों में पैसों की बजाय राम नाम लिखा जाता है। हर सप्ताह, हर पखवाड़े, या महीने में भक्त पासबुक लेकर आते हैं और जो रामनाम लिखा होता है, उसे जमा करते हैं। बैंक प्रबंधन उसका रिकॉर्ड रखता है। बैंक के संचालक पवन मिश्रा के अनुसार, अब तक कुल 55 करोड़ बार राम-नाम लिखा जा चुका है जो कि बुंदेलखंड क्षेत्र में सबसे अधिक है। पवन मिश्रा बताते हैं कि इस बैंक की पहुंच सिर्फ छतरपुर तक सीमित नहीं है। कर्नाटक, दिल्ली और यहां तक कि नेपाल से भी भक्त इस बैंक में राम नाम निधि जमा करने आते हैं। बैंक की तरफ से हर खाताधारक को पासबुक दी जाती है, जिसमें श्रीराम नाम लेखन की प्रविष्टि की जाती है। हाल ही में एक भक्त ने 10 वर्षों में राम नाम की 1 करोड़ 90 लाख लेखन निधि बैंक में जमा की है, जो यह दर्शाता है कि आस्था किस हद तक समर्पित हो सकती है।

केंद्र सरकार ने खुफिया नाकामी स्वीकारी : खरगे

बोले- हमले में लोगों की मौत के लिए सरकार भी जवाबदेह

» कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा- मोदी की नीति एससी एसटी तथा ओबीसी से नौकरियां छीन रही है

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

रांची। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा कि केंद्र ने आतंकी हमले पर खुफिया रिपोर्ट होने के बाद भी पहलगाम में अधिक सुरक्षा कर्मी तैनात क्यों नहीं किए थे। उन्होंने सवाल करते हुए कहा कि जब केंद्र ने खुफिया नाकामी स्वीकार की है तो क्या पहलगाम हमले में लोगों की मौत के लिए उसे जवाबदेह नहीं ठहराया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि खुफिया विफलता है, सरकार ने इसे स्वीकार किया है और वे इसे हल करेंगे। अगर उन्हें यह पता था, तो उन्होंने कुछ क्यों नहीं किया?

खरगे ने कहा कि मुझे जानकारी मिली है कि हमले से 3 दिन पहले, पीएम मोदी को एक खुफिया रिपोर्ट भेजी गई थी और इसलिए उन्होंने कश्मीर जाने का अपना कार्यक्रम रद्द कर दिया, मैंने यह एक अखबार में भी पढ़ा। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पहलगाम हमले के बाद पाकिस्तान के खिलाफ किसी भी कार्रवाई के लिए सरकार के साथ खड़ी है, देश पार्टी से ऊपर है। खरगे ने यह भी कहा कि हम भारत के लिए, गरीब जनता के लिए, आदिवासियों के लिए लड़ते हैं, भाजपा केवल जुमलों में विश्वास रखती है। कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की नीति सार्वजनिक क्षेत्र के संस्थानों को बंद करने और एससी, एसटी तथा ओबीसी समुदायों से नौकरियां छीनने की है। उन्होंने कहा कि झारखंड में गठबंधन सरकार बनने के बाद पहली बार यहां आया हूं। मैं सभी झारखंडवासियों का तहेदिल से शुक्रिया अदा करता हूं। हम सबने आपकी वजह से बहुमत हासिल किया और आज झारखंड में एक मजबूत सरकार चल रही है। हम सभी जनता से किए वादे निभा रहे हैं। हमारे सरकार के मंत्री, विधायक सभी मिलकर जनता के लिए अच्छे से काम कर रहे हैं। इसके लिए मैं इन सब को भी धन्यवाद देता हूं।

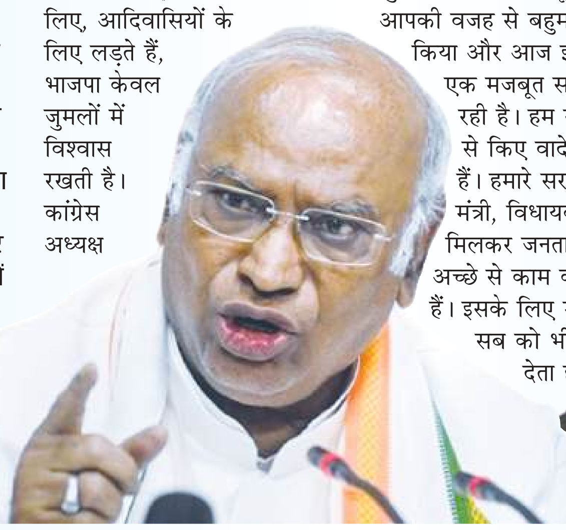

खरगे के बयान पर बरसे रविशंकर

भाजपा ने कांग्रेस अध्यक्ष पर पलटवार किया है। भाजपा सांसद रविशंकर प्रसाद ने कहा कि खरगे जी को क्या हो गया...एक तरफ बैठक के दौरान वे कहते हैं कि वे देश के साथ हैं और दूसरी तरफ वे कह रहे हैं कि पीएम कश्मीर नहीं गए क्योंकि उन्हें हमले की जानकारी थी। भाजपा सांसद ने कहा कि यह सुनना दुर्भाग्यपूर्ण बात है, खासकर तब जब देश पहले से ही सीमा पर इतने तनाव से गुजर रहा है...हम इस समय ऐसी चीजों की उम्मीद नहीं करते हैं। भाजपा नेता सीआर केसवन ने कहा कि उन्होंने आधुनिक समय के मीर जाफर के समान विश्वासघाती बयान दिए हैं। प्रधानमंत्री के खिलाफ उनका जहरीला, निराधार, निराधार बयान अत्यंत निंदनीय और निंदनीय है, और खड़गे की टिप्पणी अक्षम्य, अक्षम्य है और इसे माफ नहीं किया जा सकता। हर कोई उनसे बिना शर्त माफी की मांग करता है, और उन्हें यह भी बताना चाहिए कि इस तरह की अपमानजनक टिप्पणी करने के लिए उन्हें किस तरह की जानकारी मिली।

केंद्र ने केरल को मिलने वाली उचित सहायता रोकी : विजयन

» सीएम बोले- आर्थिक रूप से परेशान कर रही एनडीए सरकार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कोच्चि। केरल के मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर कटाक्ष करते हुए विझिंजाम बंदरगाह के चालू होने के बाद दोनों के बीच हुई बातचीत को याद किया। अपने दूसरे कार्यकाल की चौथी वर्षगांठ के अवसर पर पलक्कड़ में आयोजित एक कार्यक्रम में बोलते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि जब उन्होंने केंद्र-राज्य सहयोग पर मोदी की टिप्पणी के लिए उनका धन्यवाद किया तो प्रधानमंत्री जोर से हंस पड़े। मुख्यमंत्री ने केंद्र सरकार पर केरल को मिलने वाली उचित सहायता रोककर उसे आर्थिक रूप से परेशान करने का भी आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि इन बाधाओं के बावजूद राज्य विकास के पथ पर आगे बढ़ रहा है। यह पहली बार नहीं है जब केरल के मुख्यमंत्री ने वित्तीय भेदभाव के लिए केंद्र की आलोचना की है। मार्च में उन्होंने केंद्र सरकार पर राज्य की प्रगति को जानबूझकर बाधित करने का आरोप लगाया था।

विजयन ने कहा कि उस उद्घाटन भाषण में प्रधानमंत्री ने कहा कि केंद्र और राज्य को विकास के लिए मिलकर काम करना चाहिए। मैंने कहा कि केंद्र और राज्य को विकास के लिए मिलकर काम करना चाहिए, यह कहने के लिए उनका विशेष धन्यवाद। पिनाराई ने कहा, लेकिन उन्होंने कोई जवाब नहीं दिया। वह बस जोर से हंस पड़े। हम सभी उस हंसी का मतलब जानते हैं। उनका इशारा था कि केंद्र सरकार सहयोग की उस भावना पर खरी नहीं उतरी है। विजयन ने कहा, केंद्र सरकार की जिम्मेदारी है कि वह केरल को एक राज्य के तौर पर सहायता प्रदान करे, लेकिन इसके बजाय वह इस मानसिकता के साथ काम कर रही है कि केरल को एक इंच भी प्रगति नहीं करनी चाहिए।

नगर निगम में दागी कर्मी को फिर मिली मलाईदार तैनाती

» सर्विस बुक में एडवर्स एंट्री लिपिक अय्यूब को सर्विस बुक में टैक्स से जुड़ा प्रकोष्ठ देने की मनाही है

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। नगर निगम में नियम कायदे जोनल एवं पीसीएस अफसर आकाश कुमार ठेंगे पर रखते हैं। क्योंकि एक लिपिक को नियमों के विपरीत टैक्स विभाग का चार्ज सौंपा है। लिपिक अय्यूब को जोन सात में दो वार्ड में टैक्स बाबू का चार्ज जोनल अफसर ने दिया है।

जबकि बाबू की सर्विस बुक में तत्कालीन नगर आयुक्त इंद्रमणि त्रिपाठी ने टैक्स से जुड़े विभाग को न देने को लेकर सर्विस बुक में एडवर्स एंट्री कर दी थी। बावजूद इसके बाबू अय्यूब को चार्ज सौंप दिया गया। आरोप है कि बाबू मनमाने ढंग से हाउस तक से जुड़ी फाइलों की मंजूरी करवा रहा है। साथ ही उसे 296 अतिक्रमण हटाने का चार्ज सौपा है।

जल विवाद में दखल से हाईकोर्ट का इनकार

» हरियाणा और पंजाब को लगी फटकार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चंडीगढ़। हरियाणा और पंजाब के बीच वाटर वार को लेकर बीबीएमबी की तरफ से पंजाब-हरियाणा हाईकोर्ट में दायर याचिका पर भी सुनवाई हुई। हाईकोर्ट ने कहा कि जो हम दुश्मन देश के साथ ऐसा कर रहे हैं, राज्यों के बीच ऐसा नहीं करना चाहिए। कोर्ट ने कहा कि पंजाब पुलिस बीबीएमबी के काम में दखल नहीं देगी, हरियाणा के पानी के मुद्दे को लेकर केंद्र सरकार से संपर्क करेगी। साथ ही कोर्ट ने हरियाणा के पानी के मामले में दखल से इनकार करते हुए याचिका का निपटारा कर दिया है।

बीबीएमबी ने याचिका दाखिल करते हुए नंगल बांध और लोहंद नियंत्रण कक्ष जल विनियमन कार्यालयों में तैनात पंजाब

पुलिस बलों को हटाने की मांग की थी। बोर्ड ने बताया कि 1 मई की सुबह पंजाब सरकार ने अपने पुलिस बल के माध्यम से नंगल बांध और लोहंद नियंत्रण कक्ष जल विनियमन कार्यालयों के संचालन और विनियमन का नियंत्रण जबरन अपने हाथ में ले लिया और हरियाणा को पानी छोड़ने से जबरन रोका। 30 अप्रैल को हुई बैठक में

उचित कानूनी तरीकों से चुनौती दी जानी चाहिए : केंद्र सरकार

केंद्र सरकार की ओर से पेश एएसजी सत्य पाल जैन ने कहा कि बीबीएमबी द्वारा पानी का प्रवाह केवल हरियाणा ही नहीं, बल्कि राजस्थान और दिल्ली को भी जाता है। अगर किसी राज्य को हरियाणा को पानी छोड़ने के लिए बोर्ड द्वारा पारित प्रस्ताव से कोई समस्या है, तो उसे उचित कानूनी तरीकों से चुनौती दी जानी चाहिए। उन्होंने कहा कि कोर्ट पंजाब सरकार को पुलिस बल हटाने का निर्देश दे सकता है।

बोर्ड ने हरियाणा को 8,500 क्यूसेक पानी छोड़ने का फैसला किया था, जिस पर पंजाब ने आपत्ति जताई थी। पंजाब सरकार ने कहा कि कानून और व्यवस्था राज्य का विषय है और खतरे की आशंका और बलों की तैनाती पर फैसला करना राज्य का विशेषाधिकार है। पंजाब सरकार ने कहा कि हरियाणा सरकार दलील दे रही है कि वेस्टर्न यमुना कनाल में रिपेयर के चलते पानी की किल्लत है।

प्लेऑफ की उम्मीदें बरकरार रखने उतरेगी केकेआर

» प्लेआफ से बाहर हो चुकी चेन्नई का मुकाबला कोलकाता से आज

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कोलकाता। इंडियन प्रीमियर लीग 2025 के 57वें मैच में कोलकाता नाइट राइडर्स का सामना चेन्नई सुपर किंग्स के साथ ईडन गार्डन कोलकाता में होगा। सीएसके और केकेआर इस सीजन में पहली बार 11 अप्रैल को चेपक मैदान पर भिड़े थे और इस मुकाबले में अजिंक्य रहाणे की कप्तानी में केकेआर ने चेन्नई को 8 विकेट से हराया था। सीएसके पहले ही प्लेऑफ की होड़ से बाहर हो चुकी है जबकि केकेआर के लिए अभी संभावना खत्म नहीं हुई है।

केकेआर को अगर सीएसके के खिलाफ जीत मिलती है तो रहाणे की टीम के टॉप 4 में पहुंचने की संभावना बनी रहेगी। केकेआर ने अपने पिछले दोनों मैच जीते हैं और ये टीम जीत की हैट्रिक लगाना चाहेगी। केकेआर के कैंप में किसी भी तरह की इंजरी अभी नहीं है जबकि सीएसके टीम से वंश बेदी चोट के कारण हाल ही में बाहर हुए हैं और उनकी जगह टीम में उर्विल पटेल आए हैं। केकेआर के खिलाफ उर्विल पटेल को मौका मिल सकता है। रहाणे आईपीएल में अब तक अपनी टीम के लिए सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी रहे हैं, लेकिन तेज गेंदबाज और स्पिन गेंदबाज के खिलाफ उनके आंकड़े अलग हैं। केकेआर की स्पिन जोड़ी सुनील नरेन और वरुण चक्रवर्ती का सीएसके के मध्यक्रम के खिलाफ शानदार रिकॉर्ड है, केवल शिवम दुबे और सैम करन ही वरुण चक्रवर्ती और नरेन के खिलाफ 100 से ऊपर के स्ट्राइक रेट से रन बनाए हैं। अंकतालिका में अभी केकेआर 11 अंक के साथ छठे नंबर पर है जबकि सीएसके 4 अंक के साथ 10वें स्थान पर है।

गुजरात ने रोका मुंबई का विजय रथ

मुंबई। गुजरात टाइटंस ने मुंबई इंडियंस को डीएलएस के आधार पर तीन विकेट से हरा दिया। बारिश से प्रभावित मुकाबले में गुजरात को 19 ओवर में 147 रनों का लक्ष्य मिला था, जिसे टीम ने हासिल कर लिया। इससे पहले मुंबई ने 20 ओवर में आठ विकेट खोकर 155 रन बनाए थे। उनके लिए विल जैक्स ने सर्वाधिक 53 रनों की पारी खेली। सत्र की आठवीं जीत के साथ गुजरात अंक तालिका में 16 अंक के साथ पहले स्थान पर पहुंच गई है। उन्होंने रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु को पीछे छोड़ दिया। वहीं, मुंबई 12 में सात मैचों में जीत और पांच हार के बाद चौथे पायदान पर पहुंच गई। इसी के साथ मुंबई का विजय रथ रुक गया। बारिश से प्रभावित इस मुकाबले में गुजरात ने आखिरी ओवर में 15 रन बनाकर शानदार जीत दर्ज की। दरअसल, 18वें ओवर के बाद बारिश ने दस्तक दी तो गुजरात का स्कोर 132/6 था। अब उन्हें जीत के लिए आखिरी दो ओवरों में 24 रनों की दरकार थी। हालांकि डीएलएस मैथड के आधार पर उन्हें 19 ओवर में 147 रन का नया लक्ष्य मिला।

पूरे देश ने सेना के पराक्रम को सराहा

» 'जय हिंद' और 'भारत माता की जय' के नारों से गूंजा देश

» साथ भारतीय राजनीतिज्ञों ने 'ऑपरेशन सिंदूर' की तारीफ की

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। सेना ऑपरेशन सिंदूर के पराक्रम का पूरे देश में आम से लेकर खास ने सराहा है। सत्ता पक्ष से लेकर विपक्ष ने सेना के इस कार्रवाई कर स्वागत किया है। पीएम मोदी, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, गृहमंत्री अमित शाह, नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी, कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, सपा प्रमुख अखिलेश यादव, एनसीपी एसपी के नेता शरद पवार, बसपा मुखिया मायावती समेत सभी नेताओं ने भारतीय सेना को जयगान किया है।

दलगत राजनीति से ऊपर उठते हुए भारत के विभिन्न दलों के नेताओं ने 'ऑपरेशन सिंदूर' के तहत पाकिस्तान और पाकिस्तान के कब्जे वाले जम्मू-कश्मीर में नौ आतंकवादी ठिकानों पर भारतीय सशस्त्र बलों द्वारा किए गए मिसाइल हमलों की सराहना की और सोशल मीडिया पर 'भारत माता की जय' और 'जय हिंद' जैसे देशभक्ति के नारे पोस्ट किए। भारतीय सशस्त्र बलों ने पहलगाम आतंकी हमले के दो सप्ताह बाद सख्त जवाबी कार्रवाई करते हुए मंगलवार देर रात पाकिस्तान और पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) में नौ आतंकी ठिकानों पर मिसाइल हमले किये, जिनमें आतंकवादी समूहों लश्कर-ए-तैयबा और जैश- ए-मोहम्मद के गढ़ भी शामिल हैं।

सोशल मीडिया पर पोस्ट किए गए देशभक्ति के नारे, सभी ने भारतीय सेना का किया जयगान

हम पूरी मजबूती से भारतीय सेना के साथ खड़े हैं : अशोक गहलोत

राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने 'ऑपरेशन सिंदूर' के तहत पाकिस्तान और पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में नौ आतंकवादी ठिकानों पर भारतीय सशस्त्र बलों द्वारा किए गए मिसाइल हमलों का स्वागत करते हुए बुधवार को कहा कि हम पूरी मजबूती से भारतीय सेना तथा भारत सरकार के साथ खड़े हैं।गहलोत ने 'एक्स' पर पोस्ट कर कहा, ''भारतीय सेना के 'ऑपरेशन सिंदूर' ने पाकिस्तानी आतंकी ठिकानों को ध्वस्त कर आतंक पर कड़ा प्रहार किया है।'' 'जय हिंद' और भारतीय तिरंगे की इमोजी के साथ गहलोत ने पोस्ट में कहा, ''कांग्रेस पार्टी और पूरा भारत इस कार्रवाई का स्वागत करता है और हम भारतीय सेना तथा भारत सरकार के साथ पूरी मजबूती से खड़े हैं।''

सेना के शौर्य को बारंबार प्रणामः मनोज झा

आरजेडी सांसद मनोज झा ने बातचीत में बुधवार (07 मई, 2025) को बड़ा बयान दिया। उन्होंने सेना की तारीफ की। मनोज झा ने कहा, सेना के शौर्य के नाम उनको बारंबार प्रणाम। ये भारतीय सेना के पराक्रम का ऐसा अवसर है पूरा देश उस पक्ष में खड़ा है। जिन लोगों ने अपनों को खोया और खोने के बाद पूरे देश ने उस पीड़ा को साझा किया आज वो आंसू कुछ तो ठहर जाएंगे। मनोज झा ने भारतीय सेना पर इसलिए भी गर्व किया क्योंकि आम नागरिकों को टारगेट नहीं किया गया था। इसके लिए मनोज झा ने कहा, एक जिम्मेदार मुल्क के रूप में भारत ने अपने झंडे का मान और ऊंचा किया है। सेना के पराक्रम को आज के दिन बारंबार प्रणाम, जय हिंद।

पाक को सबक सिखाया जाना जरूरी था : ठाकरे

महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) प्रमुख राज ठाकरे का बड़ा बयान आया है। राज ठाकरे ने कहा, पहलगाम में जो हमला हुआ, उसके बाद पहली पोस्ट मैंने की थी। उनको (पाकिस्तान को) सबक सिखाया जाना जरूरी था। हालांकि, हमले का पर्याय युद्ध नहीं होता। पाकिस्तान पहले से ही बर्बाद हुआ देश है, अभी तक जिन्होंने हमला किया, उन्हें हम ढूंढ नहीं पाए हैं, उनको ढूंढना पहली जिम्मेदारी है। मनसे चीफ राज ठाकरे से जब सवाल किया गया कि पाकिस्तान पर हुई एयर स्ट्राइक को लेकर वह क्या सोचते हैं? जवाब में राज ठाकरे ने कहा, जब हमला हुआ तब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सऊदी अरब में थे, वहां से आकर वह बिहार चले गए, मॉक ड्रिल के बजाय कॉम्बिंग ऑपरेशन करो। हमारे देश के सवाल खत्म नहीं हो रहे हैं युद्ध कहां करने जा रहे हैं?।

जम्मू-कश्मीर के निर्दोष लोग प्रभावित न हों: उमर अब्दुल्ला

» आतंकवादियों के खिलाफ एक्शन के बीच जम्मू-कश्मीर के सीएम का बयान

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने इस बात पर चिंता जताई कि नए सुरक्षा उपायों के कारण निर्दोष स्थानीय लोग प्रभावित न हों। उन्होंने कहा कि पहलगाम हमले में शामिल आतंकवादियों को पकड़ने के प्रयास जारी हैं, लेकिन यह सुनिश्चित करना भी महत्वपूर्ण है कि इससे जम्मू-कश्मीर के निर्दोष लोग प्रभावित न हों।

पहलगाम हमले के बाद जम्मू-कश्मीर में सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई है और पाकिस्तान की ओर से नियंत्रण रेखा (एलओसी) पर कई दिनों से बिना उकसावे के छोटे हथियारों से गोलीबारी हो रही है। जम्मू-कश्मीर के सीएम ने कहा, हम सभी यहां की स्थिति को समझते हैं, हम इसे अनदेखा नहीं कर सकते या इसके अस्तित्व को नकार नहीं सकते, लेकिन हमें इस पर गौर करना चाहिए ताकि पहलगाम हमले में शामिल लोगों को पकड़ने के हमारे प्रयासों में जम्मू-कश्मीर के निर्दोष लोगों को प्रभावित न किया जाए। हमने अपनी इस चिंता को जहां तक संभव हो, वहां तक पहुंचाया है। उन्होंने कहा कि कुलगाम में जो हुआ, वो नहीं होना चाहिए था, लेकिन सिर्फ कुलगाम ही नहीं, कश्मीर के अलग-अलग इलाकों से गिरफ्तारियों की जो खबरें आ रही हैं, पहली बार जम्मू-कश्मीर के लोग, खास तौर पर कश्मीर के लोग, हमले के खिलाफ सड़कों पर उतरे हैं और अपना गुस्सा दिखाया है। उन तक ये संदेश नहीं पहुंचना चाहिए कि उन सबको सज़ा दी जा रही है। अब्दुल्ला ने कहा, ऐसा नहीं लगना चाहिए कि कुछ अपराधियों को पकड़ने के लिए हम कई स्थानीय लोगों को गिरफ्तार कर रहे हैं। हमें सावधान रहने और तार्किक तरीके से कदम उठाने की जरूरत है।

पहलगाम हमले के बाद भारत और पाकिस्तान के बीच बढ़ते तनाव के बीच आज पुंछ और राजौरी जिलों सहित घाटी के कई इलाकों में सुरक्षा बढ़ा दी गई है, पुलिस अधिकारियों ने कई सड़कों पर वाहन जांच चौकियां स्थापित की हैं। पुंछ और राजौरी से मिली तस्वीरों में सुरक्षा बलों को वाहनों की बेतरतीब ढंग से जांच करते, लोगों से पहचान पत्र मांगते और कभी-कभी लोगों के बैग भी चेक करते हुए दिखाया गया है।

पाक सेना की गोलीबारी में पुंछ में दस नागरिकों की मौत

» कई घायल, भारतीय सेना ने दिया मुहतोड़ जवाब

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर में नियंत्रण रेखा (एलओसी) के पास पाकिस्तानी सेना ने रातभर दर्जनों अग्रिम गांवों पर गोलाबारी की, जिसमें एक महिला और दो बच्चों समेत दस लोगों की मौत हो गई और करीब 50 लोग घायल हो गए हैं। सभी सात मौतें पुंछ में हुई हैं, गोलीबारी में सबसे ज्यादा प्रभावित पुंछ ही हुआ है।

पाकिस्तानी सेना ने पुंछ, राजौरी और उरी में गोलीबारी की है। गोलीबारी में घरों को भी नुकसान पहुंचा है। कई वाहन जल गए हैं। पाकिस्तानी सेना ने उत्तरी कश्मीर के तंगधार में नियंत्रण रेखा के पास आम कश्मीरी नागरिकों को निशाना बनाया है। तोपखाने की गोलाबारी में एक कश्मीरी नागरिक का पूरा घर जलकर खाक हो गया।

अधिकारियों ने बताया कि पुंछ में गोलीबारी में मारे गए नागरिकों में महिला भी शामिल है, मृत महिला का घर पुंछ जिले के मनकोट इलाके में मोर्टार शेल की चपेट में आ गया था। उसकी 13 वर्षीय बेटी घायल हो गई। उन्होंने बताया कि पाकिस्तान की ओर से की गई भारी गोलाबारी में पुंछ के विभिन्न सेक्टरों में 34 अन्य नागरिक भी घायल हुए हैं, जिनकी हालत स्थिर बताई गई है। राजोरी के ठंडीकस्सी में भी पाकिस्तान गोलाबारी से दो महिलाओं समेत चार लोगों के घायल होने की सूचना है। वहीं, मंगलवार और बुधवार की मध्य रात्रि में पाकिस्तानी सेना द्वारा उरी सेक्टर में भारी गोलाबारी की गई है। इस गोलीबारी में तीन बच्चों समेत कम से कम दस नागरिक घायल हो गए और कई घरों को नुकसान पहुंचा।

सरकार ने कल सुबह 11 बजे बुलाई सर्वदलीय बैठक

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। भारत में पहलगाम आतंकी हमले के जवाब में पहलगाम में आतंकी ठिकानों पर ऑपरेशन सिंदूर किया है। इस एयर स्ट्राइक के जरिए भारत ने आतंकी ठिकानों को नष्ट करने की कोशिश की है। इस ऑपरेशन के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कैबिनेट की बैठक भी की है जिसमें मोदी ने इस ऑपरेशन की जानकारी अपने साथियों को दी है।

मोदी ने रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और गृह मंत्री अमित शाह के साथ भी अलग से बैठक की है। इसी कड़ी में सरकार ने कल सुबह 11ः00 बजे कर डालिए बैठक बुलाई है इस बैठक के अध्यक्षता रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह करेंगे इसके अलावा इस सब बैठक में गृह मंत्री अमित शाह और केंद्रीय मंत्री किरेन रिजीजू जो भी मौजूद रहेंगे। सभी कैबिनेट मंत्रियों ने पीएम मोदी के नेतृत्व पर भरोसा जताया और कहा कि पूरा देश उनके साथ खड़ा है। बताया जा रहा है कि इस दौरान प्रधानमंत्री ने कहा कि देश के लिए गर्व का पल है। कैबिनेट बैठक के बाद मोदी ने अमित शाह और राजनाथ सिंह के साथ अलग से मीटिंग की।

भाजपा और धार्मिक कट्टरपंथियों के उकसावे में न आएं: ममता

» सीएम ने मुर्शिदाबाद पीड़ित परिवारों से मुलाकात की

» सीएम बोलीं, टीएमसी प्रमुख दंगाई बाहर से लाए गए

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कोलकता। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने मुर्शिदाबाद हिंसा से प्रभावित लोगों से मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने कहा कि भाजपा और धार्मिक कट्टरपंथियों की बात सुनकर लोगों में विभाजन पैदा न करें। मुर्शिदाबाद में सरकारी कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने कहा कि दंगाई बाहर से बंगाल में लाए गए हैं, उनके उकसावे में नहीं आएं।

वक्फ संशोधन अधिनियम के खिलाफ विरोध प्रदर्शन के दौरान मुर्शिदाबाद के समसेरगंज, सुती और धुलियान सहित कई हिस्सों में हिंसा भड़कने के बाद मुख्यमंत्री ने पहली बार इस क्षेत्र का दौरा किया। दंगों में तीन लोगों की मौत हो गई और कई अन्य घायल हो गए। बनर्जी ने प्रभावित परिवारों को हर संभव सरकारी सहायता का आश्वासन दिया और हिंसा भड़काने के लिए जिम्मेदार लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई का वादा किया। उन्होंने कहा कि आज, मैंने धुलियान हिंसा प्रभावित इलाकों का दौरा किया और 400 परिवारों से बात की।

स्वामी 4 पीएम न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक **संजय शर्मा** द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित एवं 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। **महाराष्ट्र कार्यालय** :- 2 जी, कृष्णा कुटीर सागरिका CHS जुहू तारा रोड जुहू- मुंबई- 400049। **संपादक** - संजय शर्मा, **विधि सलाहकार**: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, **वित्तीय सलाहकार**: संदीप बंसल, **कार्टूनिस्ट**: हसन जैदी, **दूरभाष**: 0522- 4078371 | **Email**: daily4pm@gmail.com |
website: www.4pm.co.in | **RNI-UPHIN/2015/62233** डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020 *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।